राज कॉमिक्स विशेषांक

मूल्य 50.00 संख्या 2340

नागायण

समर काण्ड

सातम खण्ड

रामायण

सप्तम खण्ड

।। समरकाण्ड ।।

वरण काण्ड, ग्रहण काण्ड, हरण काण्ड, शरण काण्ड, दहन काण्ड और **रण काण्ड** संक्षेप में-

सतयुग से कलियुग हर युग में सत्य की रक्षा के लिए भीषण युद्ध लड़े गए। यह युद्ध भविष्य में भी जारी रहेंगे चाहे कितनी भी तरक्की कर ले मनुष्य। यह कहानी है सन् **2025** की जब मानव बहुत ही शांति से जीवन यापन कर रहे थे। पूरी दुनिया अपनी-अपनी सीमाओं को खत्म करके एक साथ रह रही थी। हर तरफ राम राज्य था। किंतु जहां पहुंचे राम वहां रावण ना आए ऐसा संभव कहां। पृथ्वी पर उतरा ब्लैक पॉवर कालछिद्र और उसने अपनी

ंतिम सांसे लेते नागपाशा को बनाया अपना शिकार। उसे अपनी असीमित ब्लैक पॉवर्स दे डालीं। ागपाश बन गया क्रूरपाशा, उसके सहयोग में आ खड़ी हुई नगीना और ग्रैंड मास्टर रोबो। तीनों ी बेजोड़ सेना ने किया मानवजाति पर हमला और मानवों को हर बार की तरह इस बार भी ले दो जांबाज रक्षक। नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव। भीषण युद्ध जारी है लक्ष्य है क्रूरपाशा ी नगरी अलंध्या। जिसके द्वार तक नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव पहुंच चुके किंतु युद्ध कभी आसान नहीं होते। युद्ध लेते हैं बलि। किसको मिलेगी विजय? कसे मिलेगी हार और कौन होगा बलिदान? जानने के लिए पढ़े :-

समर काण्ड

जब जब पाप धरा पर आई। कथा जाई पुनि पुनि दोहराई।

संजय गुप्ता पेश करते हैं।

राज कॉमिक्स है मेरा जनून।

रामायण

प्रथम अध्याय

सेतु बंध

कथा	: अनुपम सिन्हा, जॉली सिन्हा
चित्र	: अनुपम सिन्हा
इंकिंग	: विनोद कुमार, जगदीश, विनीत
सुलेख व रंग	: सुनील कुमार पाण्डेय
इफैक्ट्स	: जॉन पोलोस
सम्पादक	: मनीष गुप्ता
सह सम्पादक	: मंदार गंगेले

वे आ रहे हैं!
ये आप स्वयं भी जानते हैं कालछिद्र कि अलंध्या के आयाम में घुसना ब्लैक पॉवर्स के अलावा सिर्फ नागों के लिए ही संभव है!
और नागशक्ति मेरे साथ है!
वे कोशिश कर सकते हैं। पर अलंध्या में प्रवेश नहीं कर सकते!
ये असंभव है!
असंभव, संभव हो रहा है! उस रहस्यमय अजनबी ने नागराज को अलंध्या में घुसने का रास्ता दिखाया है!...
... और उस रास्ते पर चलने की तरकीब नागराज और ध्रुव ने ढूंढ निकाली है!
युद्ध होकर ही रहेगा!
और अब इस युद्ध में देव जाति भी कूद पड़ी है!
पर इस युद्ध का परिणाम न मैं तय करूंगा, न तुम और न ही अनंत काल से हमारे दुश्मन रहे देव!
इस युद्ध का परिणाम तय करेंगे ...

...नागराज और ध्रुव!
ये... ये आप क्या कह रहे हैं कालछिद्र? ध्रुव तो एक मामूली मानव है! कोई सुपर शक्तियां भी नहीं हैं उसमें!
उसको तो मैं मच्छर की तरह मसल सकता हूं!
मानव के पास दिमाग होता है!
और मैं सिर्फ उसी दिमाग से डरता हूं!
इंसान का दिमाग कब क्या कर जाएगा यह तो देवता भी नहीं जान सकते!
और यह दिमाग इन दोनों में कूट-कूटकर भरा है!
रावण ने भी यही कहा था कि जब देवता और दानव उसने बगैर किसी मेहनत के जीत लिए तो मानव और बंदर किस गिनती में हैं!
पर उसकी मौत एक मानव के हाथों ही हुई!
नागराज भी एक मानव है!
नागराज अगर अलंध्या में कभी आ पाया तो इसमें भी उसके दिमाग का बड़ा हाथ होगा!
इंसान के दिमाग से डरो! क्योंकि जब डर रहेगा तभी तुम सावधान होगे!
नागराज का मुझे कोई डर नहीं है! वह तो वैसे भी दुश्मनों से घिरा हुआ है!... यतियों को कैसे हैंडिल करना है, यह मुझे पता है!
देव जाति भी अब तक लड़ना भूल चुकी है!
बाकी बची मानव सेना और ध्रुव की बात तो उनका इंतजाम भी मैंने कर दिया है!
"कुछ ही देर बाद वे सभी काल सुरसा के महाविशाल पेट के अम्लों में गल चुके होंगे-"
मैं... मैं सपना देख रहा हूं क्या? या... या... ये अपने मुंह का घेरा बढ़ाता जा रहा है!
मैं समझ गया! मेरी 'मेमोरी' में इसका जिक्र है! ये कालसुरसा है! एक ब्लैक पॉवर!
और इसके अंदर अपने मुंह का आकार बढ़ाते जाने की अद्भुत शक्ति है!
ये चाहे तो पूरे एक सोलर सिस्टम को भी निगल सकती है!

और ऐसी शक्ति से हम कैसे निपटेंगे? तुमने नागराज से ये कह तो दिया कि अलंध्या पहुंचने का रास्ता हमारे सामने है! पर ये तो मौत का रास्ता है!

हमारे किसी हथियार का इस पर असर नहीं हो रहा है! अब...

एक मिनट! ये धूल उड़ा रही है! जो कि हमारे हिसाब से एक आं है! पर ये आंधी हमारी भा भरकम सैन्य सामग्री को उड़ नहीं सकती! फिर इस आंधी का क्या मतलब है?

हमको इसी मौत के रास्ते को अलंध्या का रास्ता बनाने का रास्ता ढूंढना है कमांडर!

क्योंकि ये तो तय है कि इस ब्लैक पॉवर का मुंह इस आयाम में है और पीछे का भाग अलंध्या के आयाम में! क्योंकि ये अलंध्या से ही आई है!

अरे! अभी ये फूंक मारकर आंधी उड़ा रही थी, और अभी सांस खींच रही है!

आखिर ये चाहती क्या है?

छींकना!

आंऽऽऽऽ क छींऽऽऽऽऽऽऽऽऽ

कालसुरसा के साईज के अनुपात में ही-

उसके मुंह से निकले लार के गोलों का साइज भी था-

ओ माई गॉड!

इसकी छींक में तो 'हरिकेन' सी ताकत है और इसके लार के गोलों में सूनामी सी!

ऐसी एक दो और छींकों में तो हमारा काम तमाम हो जाएगा! पता नहीं अब हम कभी अपने बीवी-बच्चों से मिल भी पाएंगे या नहीं!

बीवी!

और बच्चे!

पता नहीं मिलेंगे भी या नहीं!

ध्रुव!

कहां खो गए तुम?

आऽऽऽह!
ध्रुव घायल हो गया है! इसको किसी शेल्टर में ले जाना पड़ेगा! तुरन्त!
पर यहां तो दूर-दूर तक सिर छुपाने की जगह नजर नहीं आ रही है!
आप लोगों के पास टेंट-वेंट लगाने का सामान नहीं है?
टेंट-वेंट तो पुराने जमाने की चीजें हैं! अब हम 'इंस्टेंट शेल्टर' का प्रयोग करते हैं! बूमर फोम का शेल्टर!
ऐसा!
इसमें सिर छुपाते हो या उंगली का नाखून! और इस शीशी में क्या भरा है?
कंप्रेस्ड वॉटर! अब ये पानी इस शेल्टर पर डाला जाता है, तो ये...
...फूलता जाता है और इस बुलेटप्रूफ फोम के शेल्टर में बदल जाता है! इस फोम की खासियत यह है कि ये नमी पाकर फूलता जाता है और इतना सा गोला एक किले तक के साइज का हो सकता है!
वाह! इंसानों ने तो देवों से भी ज्यादा तरक्की कर ली है!
इसके अंदर ध्रुव इस तूफान और लार की गोलाबारी से सुरक्षित रहेगा!
हमारी आर्मी में एक नियम होता है! अगर जीतने की संभावना न हो तो पीछे हट जाओ! मौके का इंतजार करो और फिर दुश्मन पर हमला करो!... खामखाह जान देने में कोई बुद्धिमानी नहीं है!
मेरे ख्याल से हमको अलंध्या जाने का ख्याल छोड़ देना चाहिए!
अब तो ध्रुव भी घायल है!
हां! पर जानते हो क्यों? क्योंकि इसने अपनी परेशानियों से बच की नहीं, बल्कि दुनिया को परेशानि से बचाने की कसम खाई है!
अभी इसकी पत्नी इसके बेटे के साथ इसको छोड़कर चली गई है!

और ये उन दोनों से अपनी जान से भी ज्यादा प्यार करता है!
पर उससे भी ज्यादा ये मानवता से प्यार करता है!
इसीलिए ये अपनी परेशानियां भुलाकर मौत को चुनौती देने निकला है! तुम्हारी तरह कदम पीछे हटाने के लिए नहीं!
छोड़ो न देवाशीष!
नहीं ध्रुव! ये सही कह रहा है! कदम आगे बढ़ाने के लिए होते हैं! पीछे हटने के लिए नहीं!
पर हम करें तो क्या करें? हम सुरसा के फैलते मुंह को नहीं रोक सकते!

हमको उसे रोकना भी नहीं है! बल्कि उसे और फैलाना है!
ये तुम क्या...
हमारे पास ऐसे कितने बूमर-शेल्टर हैं?
हजार के आसपास होंगे!

उन सबको मिला दिया जाए तो?
तो उससे बनने वाला शेल्टर एक बड़े शहर को ढक सकता है! बशर्ते उसको उतना पानी मिले तो!
मिलेगा! आओ, अब देखते हैं कि कालसुरसा अपना मुंह कितना फैला पाती है!
पर, ध्रुव! तुम घायल हो! तुमको आराम की जरूरत है!

घबराओ मत!
मैं मरूंगा नहीं!
और कुछ ही मिनटों बाद बूमर शेल्टर के मिश्रण से भरा यान कालसुरसा का निवाला बनने के लिए आगे बढ़ रहा था-
एवरी बडी रेडी!

बूमर फोम तो इसके मुंह में पहुंच गया!

अब उम्मीद करता हूं कि 'बूमर फोम' को इतना ज्यादा फूलने के लिए जो बेहिसाब नमी चाहिए वह कालसुरसा की लार से मिल जाएगी!

धमाके से पूरा वातावरण सफेद रोशनी से भर गया-

और इस रोशनी से अलंध्या तक की आंखें चुंधिया गई-

महामहिम! सम्राट क्रूरपाशा! हफ... वो...

क्या हुआ डारको? तुम्हें तो मैंने मानव सेना और कालसुरसा पर नजर रखने का काम दिया था!

वही तो सम्राट! ऐसा दृश्य मैंने अपनी कई युगों की जिन्दगी में भी कभी नहीं देखा!

होता है! काल सुरसा है ही इतनी भयंकर! तूने भी इतने प्राणियों को एक साथ काल सुरसा के मुंह में जाते पहली बार देखा होगा! पर अब तो ऐसे दृश्य दिखते रहेंगे! इतनी आदत डाल लो!

उसे मौका ही नहीं मिला! वह तो मुंह फैलाती रह गई!

मतलब?

मेरा तो दिल कांप रहा है!

मानव सेना काल सुरसा के मुंह में गई तो जरूर, पर वैसे नहीं जैसे आप सोच रहे हैं!

फिर कैसे? क्या काल सुरसा ने उनको चबाया भी?

मतलब ये कि उस मानव ध्रुव ने काल सुरसा का मुंह न जाने किस चीज से भर दिया जो उसके मुंह में जाते ही बढ़ने लगी! वह रबर जैसी पर उससे ज्यादा सख्त कोई चीज थी!

बढ़ते- बढ़ते काल सुरसा के मुंह का क्षेत्र लगभग सौ मील का हो गया!

परन्तु फिर भी उस चीज का बढ़ना बंद नहीं हुआ! काल सुरसा का मुंह और फैलता जा रहा था!

तभी उस मानव ध्रुव ने उस रबर के बीच में लेजर मिसाइल से एक बड़ा सा छेद कर दिया!

छेद कर दिया! पर क्यों?
ताकि पूरी मानव सेना अपने अस्त्र-शस्त्रों सहित उसमें प्रवेश कर सके!
और अपने आप काल सुरसा के पेट में पहुंच आए!
वे पेट तक पहुंचे तो जरूर लेकिन साथ-साथ में वे उस फैलती रबर की पर्त को अपने रास्ते में फैलाते जा रहे थे!...
...और काल सुरसा के पचाने वाले रसायन उस पर्त को पार नहीं कर पा रहे थे!
...रास्ता यानी काल सुरसा के पेट और आंतों की विशालकाय सुरंगें!...
फिर?
फिर... फिर मानव सेना काल सुरसा के शरीर को आयाम पार करने का रास्ता बनाते हुए अलंघ्या के रेगिस्तानी छोर पर पहुंच गई!
हैं! मानव सेना अलंघ्या तक आ पहुंची है!
और उसको यहां तक लाने वाला सुपर कमांडो ध्रुव है!
जिस काल सुरसा को उन्हें खत्म करने के लिए भेजा गया था, उसको ही उसने अलंघ्या तक पहुंचने का रास्ता बना लिया!
महाकालछिद्र सही कह रहे थे! यह मानव नागराज जितना ही खतरनाक है इसको तुरन्त खत्म करना होगा!

... और वह भी नागराज के यहां तक आने से पहले! अगर आम मानव यहां तक आने में सफल हो गए हैं तो देर-सवेर नागराज भी यहां तक आने का रास्ता ढूंढ ही लेगा!

इससे पहले कि एक और एक मिलकर ग्यारह बनें, मैं एक को खत्म कर दूंगा!

नागराज, अलंध्या तक पहुंचने का रास्ता तलाश कर रहा था-

पर इसकी कीमत उसकी जान भी हो सकती थी-

अद्भुत दृश्य!

पर साथ में ये घिनौना भी है!

इतने सारे सांप तो मैंने एक साथ कभी नहीं देखे! ये सांप आ कहां से रहे हैं?

नागराज के शरीर से!

नागराज को छोड़कर कुछ समय एकांत में मेरे साथ भी बिता लीजिए, स्वामी! आइए न!

अ... चलो! पर एकांत में क्यों?

एक पत्नी अपने पति से ऐसी बातें एकांत में ही कर सकती है!

मर गया नागू! अब मैं रानी यति को कैसे समझाऊं?

आइए, स्वामी!

सुनो रानी! म... मेरे... पेट में गड़बड़ हो रही है!

वह तो आपको होनी ही थी! क्योंकि आप शायद समझ गए हैं कि मैं क्या करने जा रही हूं!

क... क्या ?

स्वामी!

मम्मी!

त... तुम क्या करने जा रही हो, रानी ?

ये!

तड़ाक

हा हा हा हा!

आ... आप हंस रहे हैं? पर क्यों?

मेरी टेंशन दूर हो गई, रानी!

एक पतिव्रता पत्नी होकर भी तुमने पति पर हाथ उठाया ? पर क्यों ? नर्क में जाना है क्या ?

आपको नर्क में जाने से बचाना है ! और हर पतिव्रता स्त्री यही धर्म अपनाती है ! और ऐसा मैंने पहली बार तो नहीं किया है !

यानी पहले भी कई बार !

जिंगालू भाई, मुझे तुमसे पूरी सहानुभूति है !

पर इस बार क्या हुआ है ? क्या गलत किया है मैंने ?

आप दोस्ती का धर्म निभाते-निभाते यतियों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भूल गए हैं !

स्मृति ?

शायद हलाहल के प्रभाव से आपकी स्मृति चली गई है !

हो... हो सकता है रानी ! पर... हम क्या भूल रहे हैं ?

याददाश्त !

"आप भूल रहे हैं वह दिन जिस समय, हम हिमालय की ठंडी वादियों में साथ बैठे हुए थे ! और अचानक -"

एकदम से गर्म हवा कैसे बहने लगी है रानी यति ?

कहीं ये मानवों द्वारा फैलाया गया कोई नया प्रदूषण तो नहीं है ?

मैं जाकर देखता हूं !

जाने की आवश्यकता नहीं है यति राज !

जो कुछ भी देखना है वह मैं तुमको यहीं से दिखा देता हूं ! आगे जाने से खतरा हो सकता है !

उधर देखो ! सुंदर पहाड़ों की शीतल बर्फ को गलाते हुए और उजाड़ करते हुए किस चीज का बहाव इधर बढ़ रहा है !

पता नहीं ! और इस हवा में अजीब सी गंध भी है ! मुझे तो चक्कर... भी आ रहे हैं !

ये... ये तो शीतनागों के विषकुंड का हलाहल है !

पर... तुम कौन हो ?

में हिमाधिपति हूं! पर्वतों की रक्षा करना, इन पर जमी हिम को बनाए रखना मेरी जिम्मेदारी है!

परन्तु अब ऐसा कर पाना मुश्किल लग रहा है! विषकुंड से बाहर बह रहा ये हलाहल बर्फ को गला रहा है और ये शिवजी द्वारा पान किया गया विष है! इसके बहाव को रोकना मेरे वश में नहीं है!

आश्चर्य है!

इससे पहले मेरी आपसे कभी मुलाकात क्यों नहीं हुई?

क्योंकि अब तक यतियों और शीतनागों की शक्ति ही हिम को जमाए रखने और पर्वतों की रक्षा करने के लिए पर्याप्त थी!

परन्तु अब इन दोनों शक्तियों के बीच में टकराव के कारण मुझे पहली बार तुम्हारे सामने आना पड़ा है!

मेरे पास क्यों? आपको तो शीतनागों के पास जाना चाहिए! ये! ये काम तो उन्होंने किया है!

मैं वहीं से आ रहा हूं! और उनके अनुसार विष कुंड के किनारे को तोड़ने का काम...

तुमने किया है!
मैं... मैं तो यहां से कहीं गया ही नहीं! ये सरासर झूठ है!
वो रहा! यही यति बांध तोड़ रहा था! ये यति पूरी पर्वत-श्रृंखला पर कब्जा जमाना चाहते हैं! खत्म कर दो यतियों को!
देखो! ये शीतनागों के जुझारू लड़ाके हैं! अद्भुत शक्तियों से भरे हुए!
इतने सारे नाग झूठ नहीं बोल सकते!
झूठ तो यति भी नहीं बोलते, हिमाधिपति! इनको समझाइए, वर्ना यहां पर खून की नदियां बह जाएंगी!
यही तो हम नहीं चाहते! और इसीलिए हम तुम्हारे पास आए हैं! जो हो गया सो हो गया! अब इस आने वाली विपत्ति को रोकने के लिए हमको तुमसे...
ओ... ओह! ये चट्टानें! पिघलती बर्फ के कारण ये ढीली हो रही हैं!
ये चट्टानें यति ने गिराई हैं! वह जान-बूझकर ऐसा कर रहा है! अगर ये युद्ध चाहता है तो युद्ध होकर रहेगा!
आक्रमण!

एक प्रलयंकारी
युद्ध होने वाला था-

लेकिन प्रलय का समय
अभी शायद दूर था-

...कर रहे हैं ... एक समस्या टली नहीं है, ... तुम दोनों एक नई समस्या पैदा करने में जुट गए ?

हलाहल किसी भी वस्तु को गला सकता है ! इसको रोक पाना असंभव है !

अभी हमको हिमालय को नष्ट करने वाली इस हलाहल की नदी को रोकना है ! और ये तुम दोनों जातियों के खून से नहीं रुकने वाली !

संभव है। और इसका रास्ता तुम्हारे पास है, यतिराज

इसीलिए हम तुम्हारे पास आए थे !

हमारे पास ऐसा कौन सा रास्ता है, हेमाधिपति ?

यति आयामक ! उस दैवीय यंत्र के अंदर बहुपर्तीय ब्रह्मांड के किसी भी आयाम में द्वार खोलने की शक्ति है !

उसकी मदद से हम किसी ऐसे ब्रह्मांड का द्वार खोल सकते हैं जहां पर इस बाहर बह चुके हलाहल को भेजा जा सके, ताकि यह यहां पर विनाश न फैला सके !

आपके अंदर अवश्य दैवीय शक्ति है ! वर्ना उस यंत्र के बारे में तो हमारे अलावा किसी को भी पता नहीं है ! पर उस यंत्र का प्रयोग तो हम अपने यति ब्रह्मांड से शक्ति प्राप्त करने के लिए करते हैं ! उस यति ब्रह्मांड से जो अब रहने के योग्य नहीं है !

और उस यंत्र को सिर्फ तुम चला सकते हो जिंगालू! क्योंकि वह यंत्र हमेशा से तुम्हारे पूर्वजों के संरक्षण में रहा है!

उस यंत्र को लेकर हमारे साथ चलो और विनाश की इस बहती नदी का रुख किसी निर्जन ब्रह्मांड की तरफ मोड़ दो!

अगर ऐसा करने से यह आयाम, यति आयाम जैसा उजाड़ बनने से बच सके तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मैं अभी यंत्र लेकर आता हूं!

उसके बाद आप यंत्र लेकर जो गए तो हमने आपको इतने वर्षों के बाद देखा!

हिमाधिपति बदहवास से इस सूचना के साथ वापस आए कि आप हलाहल की धारा में गिर पड़े हैं!

और हमको राजा के बगैर जानकर शीतसर्प हम पर अंतिम हमला करने के लिए चल पड़े हैं!

हम घबरा गए! हमारे सामने सबसे पहला लक्ष्य यतियों की रक्षा करना था और उसके लिए ठंडे दिमाग से सोचना जरूरी था!

और तब उस महान शक्ति ने हमारी रक्षा की! न जाने कहां से आ गया वह अवतार पुरुष!

कौन सा अवतार पुरूष?

सम्राट क्रूरपाशा!

उन गरजते और भयंकर दस सिरों के सामने शीतनागों की सेना टिक नहीं पाई!

और उल्टे पांव अपनी बांबियों में समा गई!

वे ही हमको यहां पर इन गुफाओं में लाए जहां पर कभी हमारे पुरखे रहा करते थे!

और उनकी कृपा से ही हम नागों और मानवों की नजरों से बचे रहे!

शीतनागकुमार जो कुछ मुझे बता रहा था वह सब मनगढ़ंत था। पर वह वहां पर नहीं था। उसे यही बातें बताई गई होंगी! या मुझे उससे दोस्ती का नाटक करना पड़ा! क्योंकि...

क्योंकि?

क्योंकि ऐसा ही क्रूरपाशा का आदेश है!

पर क्यों? क्रूरपाशा क्यों चाहता है कि हम नागराज का साथ दें?

क्योंकि वह नागराज को घेरकर मारना चाहता है!

नागराज हमारी सेना के दम पर क्रूरपाशा से लड़ने अलधिया पहुंचेगा!

पर वहां पहुंचते ही उस पर पहला हमला हम करेंगे!

हैं! ये मैं कहां फंस गया? नागराज की नजर में मैं जिंगालू हूं! अब जिंगालू नागराज से ये कैसे बताए कि उसकी सेना ही उसे मार देगी!

कुछ करना होगा! कुछ तो करना ही होगा!

शीतनाग हमारे दुश्मन हैं। सौडांगा हमारे दुश्मन हैं! और इस वक्त वे क्रूरपाशा के साथ हैं! और दुश्मन का दोस्त भी दुश्मन ही होता है रानी!

हमको हर हालत में ब्लैक पॉवर्स के खिलाफ ही लड़ना होगा!

आपको पता नहीं है कि आपके जाने के बाद क्या हुआ!

हमको यतिआयामक वापस नहीं मिला! शायद वह भी आपके साथ ही हलाहल में गल गया था! और इस कारण हमारी शक्तियां क्षीण हो गई हैं!

अभी हमारे पास जो शक्तियां हैं वे सिर्फ हमारी रक्षा कर सकती हैं! और ये बात ब्लैक पॉवर्स को पता है!

लो! एक और लोचा! और इनके भरोसे नागराज ब्लैक पॉवर्स से लड़ने चला है!

तुम घबराओ मत रानी!

बस, ये ध्यान रखो कि हम ब्लैक पॉवर्स का साथ नहीं देंगे!

साथ देना ही पड़ेगा स्वामी! क्योंकि हमको मिली नई सूचना के अनुसार यतिआयामक यंत्र, ब्लैक पॉवर्स के पास पहुंच चुका है!

और जब तक वह हमारे पास नहीं आता तब तक न तो हमारी शक्तियां हमारे पास वापस आ सकती हैं...

...और न ही...

ये!

ये... ये क्या है रानी?

और इसमें कौन नज़र आ रहा है?

आपकी स्मृति सच-मुच लुप्त हो गई है!

ये यतिलोक के दृश्य दिखाने वाला हमारा आयाम दर्शक है! और इसमें नजर आने वाला मृतप्राय यति शिशु आपका बेटा है!

ओह! हां... याद... याद आ गया! पर ये वह पर क्या कर रहा है?

इसे तो हमारे साथ होन चाहिए था!

यतियों का भावी राजा और हमारी इकलौती संतान!

हम इसको सिर्फ देख सकते हैं सुन सकते हैं पर न तो इसको स्पर्श कर सकते हैं और न ही कोई और मदद!

यह हमारे रिवाजों के अनुसार यति देवी की पूजा करने उस आयाम में गया था!

पर उसी वक्त आप यतिआयामक ले गए! और ये वहीं पर कैद होकर रह गया!

अब ये उस निर्जीव वातावरण में तिल-तिल करके मर रहा है! और इसकी जान ब्लैक पॉवर्स के हाथ में है!

ओह! ये सीन तो इमोशनल हो गया! अब नागराज को अगर ये सब पता चला तो वह अपनी जान दे देगा, पर यति पुत्र की जान पर आंच नहीं आने देगा!
तू तो बेटे और भी फंस गया नागू!
कोई न कोई रास्ता जरूर निकलेगा रानी!
वैसे... तुम्हारे पुत्र का नाम क्या है?
ये भी भूल गए!
आपके पुत्र का नाम ययाति है स्वामी!
वो आ रहे हैं!
जिंगापाजी आ रहे हैं!
जिंगापाजी!
इस नाम से तो आपको ययाति...
ययाति को होश आ रहा है! ये ठीक हो रहा है! इसको आभास हो गया है कि आप आ गए हैं!
अब मैं ये बात किसी को नहीं बताऊंगा! मैं खुद अपने निर्णय लूंगा और सही वक्त आने पर लूंगा!
तेरा लाख-लाख शुक्र है भगवान! तेरा लाख-लाख शुक्र है!
पहले मेरा पति भेज दिया और अब बेटे के प्राण!
जय हो यति देवी! आपकी जय हो!
इसको मेरे आने का आभास होता तो कहता कि नागू पाजी आ गए!
पर ये तो जिंगा पाजी कह रहा है!
कहीं... जिंगालू सचमुच में तो वापस नहीं आ रहा है!
हे भगवान! मेरा तो मेडिकल इंश्योरेंस भी नहीं है!
ये शुद्ध प्रेम की तरंगें होती हैं-

जो किसी अपने की आने की आहट को तुरंत महसूस कर लेती है-

ययाति का जिंगापाजी सचमुच आ रहा था-

और उसके दिमाग में घुमड़ती धुंध में यादों की बिजलियां भी चमकने लगी थीं-

हलाहल!

ये... ये चिपचिपा गाढ़ा और काला द्रव! यही तो था जो धारा के रूप में बह रहा था!

और... और मैं उसके किनारे पर हाथ में एक डिब्बा लिए बैठा था!

क्या कर रहा था मैं?

मैं कुछ बोल रहा था! और वह द्रव किसी रहस्यमय द्वार में खिंचता जा रहा था! हां... फिर क्या हुआ था? क्या... हुआ... था?

"हां, हां! फिर मेरे जैसी ही एक और आकृति उस चिपचिपे द्रव के कुंड में गिरी और गलती चली गई-"

"मैंने पीछे मुड़कर देखा था-"

"कुछ अजीब सी आकृतियां पीछे खड़ी थीं! वे मेरे जैसी नहीं थीं-"

"वे शीतनाग थे-"

"उन्होंने मुझे भी हलाहल के कुंड में धक्का दिया-"

"वे ही हैं मेरे दुश्मन! मुझे बदला लेना है उनसे-"

"पर यादों का सिलसिला अभी थमा नहीं था-"

नहीं! वहां पर कुछ और भी था!

एक शख्स और था वहां पर!

क्या नाम था उसका ?

हां ! याद आया ! हिमाधिपति !

" वे... वे सभी शीतनाग उसके शरीर में समाते जा रहे थे ! जैसे... जैसे कि उसी के शरीर से पैदा हुए हों-"

" और फिर... उसने एक भयंकर अट्टहास लगाया ! शायद उसका कोई बड़ा काम पूरा हो गया था-"

" और फिर हलाहल कुंड में डूबते- डूबते मैंने देखा-"

" कि उसका भी रूप बदल रहा था ! वह हिमाधिपति नहीं था ! कोई बहुरुपिया था ! पर... पर कौन था वो ?

उसने ये सारा षड्यंत्र क्यों रचा ? उसका ऐसा कौन सा काम था जो पूरा हो गया था !

अब ये सारे जवाब उसके गले से तभी निकलेंगे जब मेरी उंगलियां उस पर लिपटी होंगी !

नागराज, अलंध्या आयाम में जाने के लिए अपने सर्पों का जाल बुन रहा था-

और उस जाल में वह खुद ही फंसने वाला था-

मैं तो सोच भी नहीं सकता कि कोई इतने सारे सर्पों को अपने शरीर में रख भी सकता है!

सर्प, अलंध्या के आयाम द्वार को देख सकते हैं! और नागराज के सर्पों ने आयाम द्वार को ढूंढ लिया है!

पर आयाम द्वार ढूंढकर ये सर्प क्या कर लेंगे!

नागराज ने इतने सारे सर्प सिर्फ रास्ता ढूंढने को नहीं छोड़े हैं! इसका मकसद कुछ और ही है!

अलंध्या तक तो हमको पहुंचना है, सर्पों को नहीं!

द्वितीय अध्याय
कूच

नागराज का मकसद कुछ ही पलों में सामने आने वाला था-

क्योंकि उसके सर्पों ने आयाम द्वार को भी ढूंढ़ लिया था -

विशालकाय नाग सुरंग बनानी शुरू कर दी थी, जो इस आयाम आयाम के बीच में एक पुल बना रही थी-

नागराज ने एक आयाम से दूसरे आयाम तक की राह बनाने में सफलता तो पा ली थी-

लेकिन उसको इसकी बहुत बड़ी कीमत भी चुकानी पड़ी थी-

आह!

नागराज! क्या हुआ तुमको?

इसकी रगों में श्वेत रक्त कणों के बदले सूक्ष्म नाग दौड़ते हैं और वे ही इसको नागशक्ति प्रदान करते हैं!

इससे पहले इतने सांप नागराज के शरीर से एक साथ कभी बाहर नहीं निकले!

इसकी शक्ति वापस तो आ जाएगी, पर इसमें न जाने कितना वक्त लगेगा! हमको आगे बढ़ने से पहले इंतजार करना चाहिए!

नहीं!

इंतजार किया तो क्रूरपाशा इस रास्ते को बंद करने का रास्ता ढूंढ़ लेगा!

और ये प्रयास मैं दुबारा नहीं कर सकता!

यति सेना को तैयार करो!

नागराज सही कह रहा है! हमको जल्दी... बहुत जल्दी करनी चाहिए!

पर नागराज तो अभी बहुत कमजोर है!

ओफ्फो!

आप तो कुछ समझते ही नहीं हैं!

नागराज अभी कमजोर है! इसको फटाफट अलंध्या तक पहुंचाना है! ताकि इस हालत में हम इसको आसानी से मार सकें!

यति सेना कूच करो!

पर रानी...

डील का अपना हिस्सा पूरा करके हम ब्लैक पॉवर्स से अपनी मांगें पूरी करवा सकते हैं!

और अपने बच्चे को यति आयाम से वापस ला सकते हैं!

स... ह... हां! सही है रानी! पर ब्लैक पॉवर्स का क्या भरोसा? वे दगा भी दे सकते हैं!

इसीलिए नागराज को मारने से पहले हमको अपनी मांगें मनवा लेनी होंगी! समझी?

आपकी थोड़ी-थोड़ी बुद्धि वापस आ रही है स्वामी! मैं समझ गई!

ठीक है।

मैं नागराज के साथ आगे चलता हूं! तुम यति सेना को संभालो!

नागू कुछ गड़बड़ कर रहा है! ये हर स्थिति को नाटकीय और फिल्मी अंदाज में देखता है! मुझे पता करना होगा कि ये माजरा क्या है!

रानी यति से क्या खुसर-पुसर कर रहे थे ना... अ... जिंगालू?

कुछ नहीं! हम युद्ध की स्ट्रेटेजी बना रहे थे! जरूरी है न!

जरूरी ये है कि तुम अपने दिमाग को आराम दो! युद्ध संचालन का काम तुम हम पर छोड़ दो!

भारती!

मैं तुमको आगे अपने साथ नहीं ले जा सकता! वापस लौट जाओ!

तुम्हारी जान को खतरा हो सकता है!

सच कहा! मेरी जान तो तुम हो! और इसीलिए कदम पीछे खींचने का तो सवाल ही नहीं उठता!

तुम किससे बात कर रहे हो, नागराज?

मैं तुमसे बात कर रहा हूं भारती!

भारती मर चुकी है! मैं साकार-आकार हूं! और तुम्हारी तरह मेरा भी एक मिशन है! अपनी बड़ी दीदी को बचाना!

एक बात और! साकार-आकार को कमजोर मत समझना!

ब्लैक पॉवर्स की बाढ़ को अगर कुछ रोक सकता है तो सिर्फ साकार-आकार का तिलिस्म!

मैं समझ गया, साकार-आकार! पर इस परम युद्ध में जाने से पहले तुमको मुझे एक वचन देना होगा!

तुम मानवता के लिए अपनी जान को खतरे में अवश्य डाल सकती हो, पर तुम मेरी जान बचाने के लिए अपनी जान को कभी दांव पर नहीं लगाओगी!

अगर तुम यही चाहते हो तो ऐसा ही होगा, नागराज!

ये लड़ाई सिर्फ तुम्हारी नहीं, मेरी भी है!

तिलिस्म को जीवन की रक्षा के लिए बनाया गया है! जीवन के नाशकों से बचकर भागने के लिए नहीं!

जुझारू लड़ाकू यतियों की सेना एक परमयुद्ध के रास्ते पर अलंघ्या की तरफ रवाना हो चुकी थी-

छी छी! सांपों पर चलना बड़ा अजीब सा लग रहा है!

अभी और डॉयलाग बचे हैं?

नहीं!

तो फिर सेना कूच करे?

हां!

आपकी भाषा को क्या हो गया है स्वामी?

और एक महायुद्ध की घड़ी और नजदीक आ चुकी थी-

नागराज ने अपने सर्पों के द्वारा अलंघ्या में एक आयाम द्वार खोल लिया है क्रूरपाशा!

अब कुछ ही देर में वह यहां पर पहुंच जाएगा और फिर वह परमयुद्ध शुरू हो जाएगा जैसा सृष्टि के बनने के बाद आज तक नहीं हुआ!

तुम तैयार हो, क्रूरपाशा?

कहो तो मैं अभी भी वह आयाम द्वार बंद कर दूं!

इस युद्ध के निर्णय पर ब्लैक पॉवर्स का अस्तित्व टिका हुआ है!

नागराज की जब मौत आती है तो वह अलंघ्या की तरफ भागता है!

यह युद्ध होगा ही नहीं!

नागराज युद्ध शुरू होने से पहले ही मारा जाएगा!

!

और अगर ऐसा नहीं हुआ तो वे मरेंगे जिनको ये काम सौंपा गया है!

देव सेना तैयार है बाबा, गोरखनाथ!

और इनमें कई योद्धा ऐसे हैं जिनको ब्लैक पॉवर्स से लड़ने का पुराना अनुभव है!

हमको अब अलंघ्या आने का रास्ता दिखाइए!

सुनो! अब आगे देव जाति को क्या करना है!

बाबा गोरखनाथ योजना सुनाते चले गए-

और-

पर... पर बाबा! हम तो समझ रहे थे कि...

अगर उसकी जरूरत पड़ी तो हम योजना बदल देंगे!

ठीक है बाबा! जैसा आप चाहेंगे वैसा ही होगा!

!
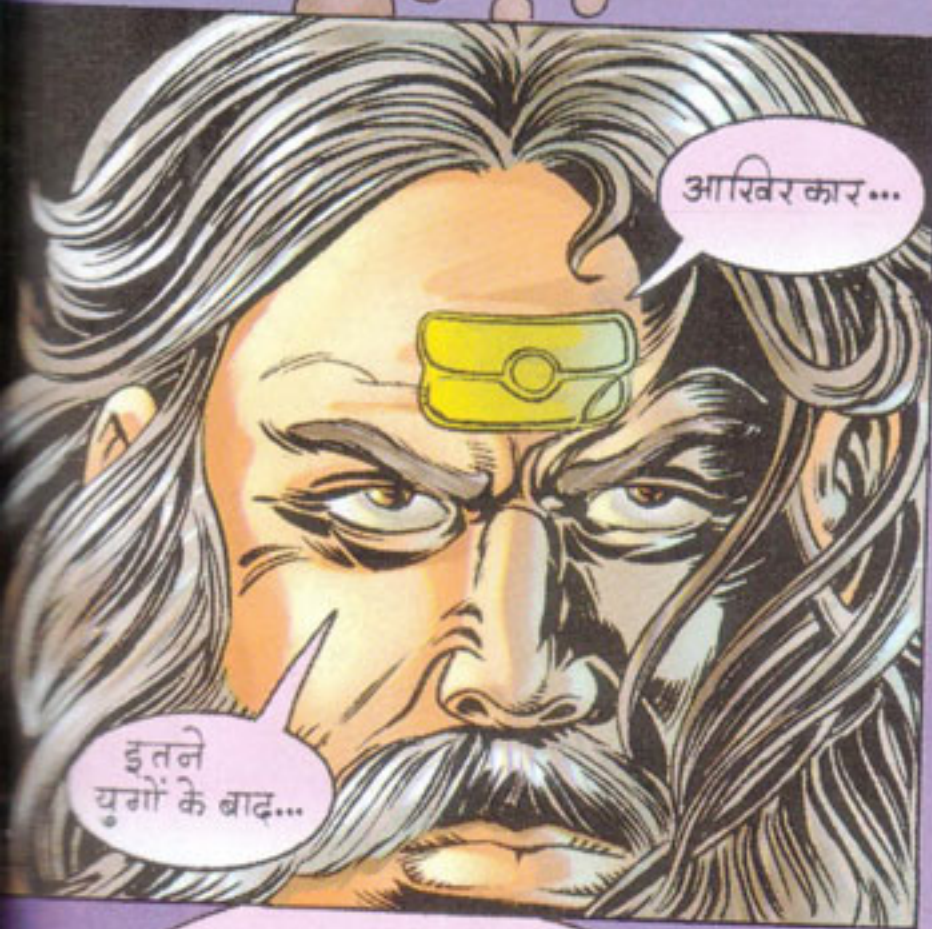
आखिरकार...

...हमारा सामना फिर से हो ही गया!

इतने युगों के बाद...

मुझे पता था कि ब्लैक पॉवर्स के इस तरह से एकाएक उभरने के पीछे का कारण तुम ही हो सकते हो कालछिद्र! क्योंकि तुम ब्लैक पॉवर्स के जनक कलिवान के सबसे खास प्यादे हो!

पिछली बार भी तुमने ऐसी ही कोशिश रावण के ज़रिए की थी और उस युग में रावण के विनाश के बाद लंका को असुरों सहित एक खास आयाम में भेज दिया गया था जिससे बाहर निकलकर दूसरे आयामों में फैलना असंभव था!

फिर ये अलंघ्या उस आयाम को पार करके इस आयाम में आने में सफल कैसे हुई!

ऐसे ताले, कपट की चाबी से खोले जाते हैं, गोरखनाथ!

पर छोड़ो! तुम क्या जानो कपट के बारे में!

मैंने तुम्हें सिर्फ इतना बताने के लिए यहां पर बुलाया है कि अभी भी वक्त है!

कदम पीछे हटा लो! वर्ना इस सृष्टि से श्वेत शक्ति नाम का शब्द मिट जाएगा!

हम श्वेत शक्ति को मिटाना नहीं चाहते! अपना वफादार बनाना चाहते हैं!

तृतीय अध्याय

ललकार

गुलाम कहो, कालछिद्र!

तुम संधि करने आए हो! क्योंकि तुम डर गए हो! जैसे राम ने रावण का नाश किया था, वैसे ही नागराज, क्रूरपाशा का नाश कर देगा!

ये युद्ध अब नहीं रुकेगा, कालछिद्र!

मैंने भविष्य में देख लिया था कालछिद्र! और इस परमयुद्ध की तैयारी बहुत पहले से करनी शुरू कर दी थी! अब तुम्हारे आगे बढ़ने की हर राह पर भी मेरे मोहरे बैठे हैं और पीछे हटने की भी!

इस बार सृष्टि से ब्लैक पॉवर्स का समूल नाश हो जाएगा! अब जब नई सृष्टि बनेगी तो उसमें ब्लैक पॉवर्स नाम की कोई चीज नहीं होगी!

श्वेत शक्तियां भविष्य में देख सकती हैं गोरखनाथ तो हम भविष्य बदल सकते हैं! इस वक्त सृष्टि की हर बड़ी शक्ति हमारे साथ है! ब्लैक और श्वेत शक्तियों में संतुलन बिठाने वाली नागशक्ति भी! और वह...

... यति शक्ति भी जिसके दम पर नागराज अलंध्या को चुनौती दे रहा है!

नागराज को यति सेना अलंध्या में उतरते ही मार देगी!

क्योंकि उनकी शक्तियां और उनका भविष्य दोनों ही हमारी मुट्ठी में हैं!

हम भी चालें चलने में न तो पीछे हैं और नहीं सुस्त!

भीरूपाशा की तरह?

हमको एक ग्रह आकाशगंगा या एक ब्रह्मांड नहीं चाहिए!

हमको तो हर आयाम का ब्रह्मांड चाहिए! अपनी सृष्टि चाहिए!

रावण के वक्त पर भी तुमने जानबूझकर राम से दुश्मनी मोल ले ली थी! और इस बार भी तुम यही चिल्ला रहे हो कि "आ बैल मुझे मार"!

जब तक हम और तुम दोनों ही मौजूद रहेंगे तब तक टकराव होता ही रहेगा!

क्योंकि ये तुम भी जानते हो और मैं भी कि अंत में सिर्फ एक ही बचेगा!

मौत मरा नहीं करती कालछिद्र! और नागराज तुम्हारी मौत है! वैसे तुम लोगों की जानबूझकर पैर पर कुल्हाड़ी मारने की आदत क्यों है?

आखिर ब्लैक पॉवर्स श्वेत शक्तियों के साथ शांति से क्यों नहीं रह सकते?

तो फिर युद्ध होकर रहेगा कालछिद्र! विकराल और महा-विनाशकारी परम युद्ध!

हार मुबारक हो गोरखनाथ!

इस परम युद्ध का सबसे बुरा असर मानवों के अस्तित्व पर पड़ने वाला था-
जीते चाहे कोई भी शक्ति पर हारना मानवों को ही था-
लेकिन फिर भी कुछ लालची मानव, खतरा जानते हुए भी बुराई का साथ देने के लिए तैयार थे-
आज तो मुझे छप्पर फाड़कर मुरादें मिली हैं! एक तो मुझे अपनी प्यारी बेटी वापस मिल जाएगी, और दूसरे मुझे ब्लैक कैट जैसा कमांडर मिल जाएगा!
चिप्स लाओ!
बल्कि चिप्स का पूरा डिब्बा लाओ! मैं उसमें से सबसे शक्तिशाली चिप्स को छांटकर इन दोनों के दिमाग में लगाऊंगा!
बस! अब ये चिप्स, मम्मियों के दिमाग में फिट होंगी और फिर मम्मियाँ रोबो नाना की बेटियां बन जाएंगी!
तू कमेंट्री सुनाता रहेगा या कुछ और भी करेगा! कुछ ही सेकंड में ये चिप्स फिट हो जाएंगी! फिर हम...

रिलैक्स बडी ! ये प्रोसेस इतनी भी फास्ट नहीं है ! कम से कम आधे घंटे का समय तो लगेगा ही लगेगा ! शायद ज्यादा भी !

फिर कुछ सोच ! मम्मियों को बचाना अब हमारा फर्ज है ! भूल मत कि हमारी रगों में सुपर कमांडो ध्रुव का खून दौड़ रहा है !

कम से कम उनकी नाक तो मत कटवा !

पापा की नाक नहीं कटेगी ! मुझे कटी नाक वाले पापा नहीं चाहिए !

सुन ! चिप्स को फिट करने से रोकने की कोशिश की तो हम शर्तिया मारे जाएंगे ! पर चिप्स को बेअसर किया जा सकता है !

कैसे ?

उस कंट्रोल सेंटर को खराब करके जहां से चिप्स कंट्रोल होती हैं !

और मुझे पता है कि वह सेंटर कहां है !

तू यहां पर नजर रख ! अगर कंट्रोल सेंटर खराब हो गया तो ठीक ! वर्ना तू जो ठीक समझे वही करना !

लाओ ! मैं खुद चुनूंगा दो खास पॉवरफुल चिप्स ! इतने शक्तिशाली ब्रेन्स के लिए चिप्स भी तो पॉवरफुल चाहिए !

बेस्ट ऑफ लक ब्रदर !

पापा की नाक नहीं कटेगी !

ओफ् ! यहां तो ऑपरेशन शुरू होने वाला है ! कुछ करना होगा ! पर क्या करूं ? कोई आइडिया याद नहीं आ रहा है !

भगवान जी ! भगवान जी, भगवान जी ! हेल्प मी !

सच्चे दिल की पुकार को-

भगवान भला कैसे न सुनते-

ग्रैंडमास्टर !

ये क्या हुआ?
रीबो नाना को चक्कर भी आते हैं या कुछ और गड़बड़ है!
खैर कुछ भी हो, भगवान जी ने मेरी प्रार्थना तो सुन ली!
अब मेरे पास और जलज के पास भी थोड़ा और वक्त है!
ग्रैंडमास्टर को आखिर क्या हुआ है? इनको देखकर तो दूसरे बेहोश होते हैं!
ये कैसे बेहोश हो गए?
होश में आएं तो पूछ लेना!
इनको मेडिकल चैम्बर में ले जाओ! तुरन्त!
आऊsss!
ये क्या?
आऊsss
MEDICAL CHAMBER
खट
!
कौन? कौन है? ऐसा लगा जैसे कोई मेरे दिमाग में घुस रहा था!

रोबो!

नगीना! तुम यहां पर! और वह भी इस तरह से! यानी... वह तुम थी जो मेरे दिमाग में घुसने की कोशिश कर रही थी!

हां! रोबो! परिस्थितियां बहुत तेजी से बदल रही हैं! अनहोनी होनी में बदलती जा रही है!

नागराज और ध्रुव अलग-अलग रास्तों से अलंध्या पहुंच चुके हैं! और भीरूपाशा और मैं श्वेत शक्तियों के साथ आ गए हैं!

तुम और श्वेत शक्तियों के साथ? ये बात कुछ हजम नहीं हुई!

मौका पड़ने पर गधे को भी बाप बनाना पड़ता है! पुरानी कहावत है!

इसीलिए मैं सिर्फ छाया रूप में ही नजर आ सकती हूं! जैसे अभी आ रही हूं! मेरा पुराना रूप तो हमेशा के लिए चला गया!

पर तंत्र रूप से मुझे फायदे भी हुए हैं! अब भीरूपाशा का दिमाग मेरे कब्जे में है!

पर उसके दिमाग पर कब्जा बनाए रखने के चक्कर में मैं और कोई काम नहीं कर पा रही!

पर तुम्हारी ये हालत कैसे हुई! तुम्हारा शरीर कहां गया?

मुझे अपने आपको तंत्र रूप में बदलना पड़ा रोबो! वर्ना क्रूरपाशा मेरा अंत कर देता!

अब मैं चाहती हूं कि ये काम तुम करो!

अपनी चिप्स के द्वारा!

मैं यहां पर वही चिप लेने आई हूं!

उस चिप को तंत्र में घोलकर भीरूपाशा के दिमाग में मैं फिट कर दूंगी। फिर भीरूपाशा जैसी ब्लैक पॉवर सिर्फ तुम्हारे वश में होगी!

उसके बाद मैं धीरे-धीरे उसके शरीर को अपने तंत्र-विलयक में घोलती जाऊंगी!

और फिर उसके घुले शरीर को तुम्हारे शरीर के साथ मिला दूंगी! फिर रोबो बनेगा एक अमर महाशक्तिशाली ब्लैक पॉवर!

और तुम ब्रह्मांड पर राज करोगे! क्योंकि क्रूरपाशा और नागराज के बीच में होने वाला परमयुद्ध दोनों शक्तियों को ही या तो नष्ट कर देगा या बहुत कमजोर!

ऐसा... ऐसा हो सकता है क्या ?

कोई शक ? कोई सवाल ?

सिर्फ एक !

पूछो !

बदले में तुम क्या चाहोगी ?

तुम्हारे मशीनी शरीर को चलाने वाले कंप्यूटर सिस्टम का परमानेंट कोड !

जिसके जरिए तुम्हारे मशीनी शरीर को कभी भी ठप्प किया जा सकता है !

ओह ! तो तुम मुझे काबू में रखना चाहती हो !

सिर्फ... शैतान न करे... अगर कभी जरूरत पड़ी तो !

इस हाथ दे और उस हाथ ले ! पुरानी कहावत है !

मंजूर है !

फिर एक कंट्रोलर चिप लाओ और उसे इस सिस्टम में डाल दो !

बस दो मिनट रुको ! मैं अभी लाता हूं !

"दरअसल उन चिप्स का पूरा डिब्बा इस वक्त कहीं और है"

जलज ! जलज ! जल्दी कुछ कर ! कितना टाइम लगा रहा है !

रोबो नाना कभी भी वापस आ जाएंगे !

जलज के दिमाग में रोबो सिटी का नक्शा वैसे ही छपा हुआ था जैसे हथेली पर लकीरें -

रोबो के हर आदमी के दिमाग में लगी चिप को नियंत्रित करने वाले, मेन कंट्रोल सेंटर तक पहुंचने में उसको कोई दिक्कत नहीं हुई थी-

ROL RO

पहला काम एंट्रेन्स पर खड़े इन दोनों गार्डों से निपटना है !

हियाऽऽऽ

हिया ईई

ये तो खड़े-खड़े बेहोश हो गया! मैंने कुछ ज्यादा डरा दिया क्या?

और ये दूसरा गॉर्ड मेरी तरफ मुड़ा भी नहीं!

ईयाऽऽऽ

ये भी गया! पर मैंने तो इसको भी नहीं छुआ! यानी...

ये दोनों पहले से ही बेहोश थे! यानी गड़बड़! कोई मुझसे पहले ही यहां पहुंच गया है और उसका इरादा मुझसे मिलता-जुलता है!

पर वह है कौन?

अरे! कंट्रोल सेंटर तो पहले से टूटा-फूटा पड़ा है!

ओ गॉड! ये तो... स्ट्रेंजर। रोबो नाना का खास आदमी!

यानी रोबो नाना के आदमियों में से कोई गद्दार है! वे कंट्रोल सेंटर तोड़ने की कोशिश कर रहे होंगे, पर ये नमक हलाल सही समय पर यहां पहुंच गया होगा!

स्ट्रेंजर, रोबो को नुकसान पहुंचाने की सोच भी सकता था-

खट.

जलज सोच भी नहीं सकता था कि-

ओ नो!

ओफ़! इमर्जेंसी डेंजर एलार्म! कुछ ही पलों में ये जगह रोबो नाना के आदमियों से भर जाएगी!

यहां से...
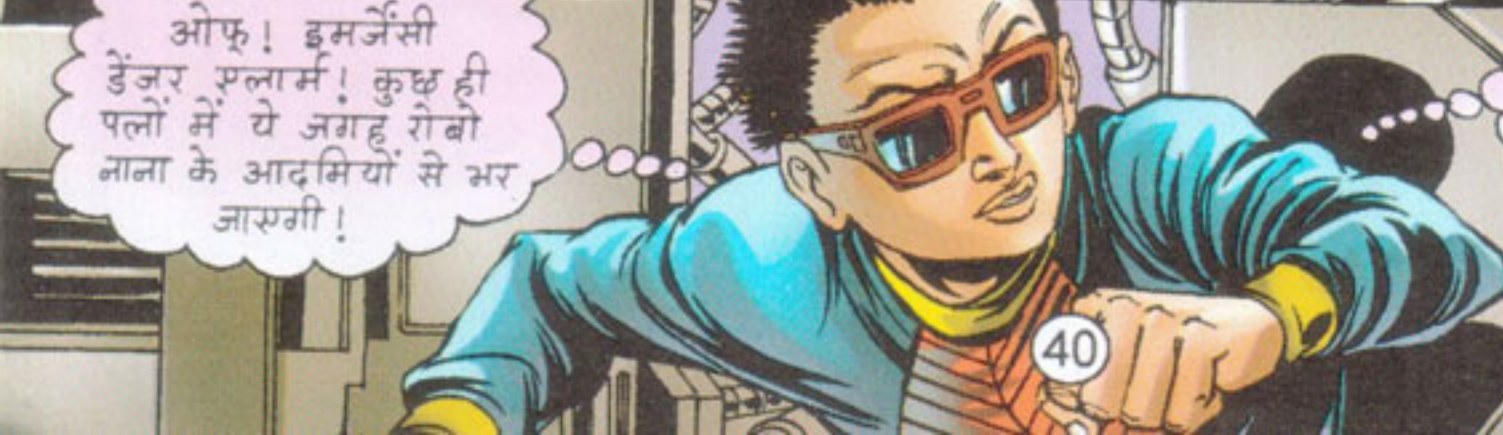
... निकल लेना ही ठीक होगा! क्योंकि तोड़ा फोड़ी का काम तो हो चुका...
ओ गॉड!
जलज!
ये कंट्रोल रूम से ही निकला है!
यानी सारी तोड़ा-फोड़ी इसी ने की है!
पकड़ो इसे!

ओफ़! ये क्या गड़बड़ हो गई? जलज यहां पर क्यों आ गया? अब मुझे कंट्रोल सिस्टम को तोड़ने का काम अधूरा छोड़कर जलज को बचाने के लिए जाना होगा!
पर मैंने इतनी तोड़ा-फोड़ी तो कर ही दी है कि चाहे इन सबके ऊपर से रोबो का कंट्रोल खत्म न हुआ हो! पर कम तो जरूर हो गया है!
सर! ग्रैंडमास्टर! जलज ने चिप्स कंट्रोल रूम में तोड़ा-फोड़ी की है!
ओफ़! और वह भी तब जब वह कंट्रोल रूम मुझे ब्रह्मांड की बादशाहत देने वाला था!
एनांउसमेंट करा दो! जलज जहां भी दिखे...
... उसे गोली मार दी जाए!
एटेंशन ऑल फोर्सेस...
... उसको गोली मार दी जाए!
ग्रैंडमास्टर के एक्सप्रेस ऑर्डर्स हैं कि जलज जहां कहीं भी दिखे...
ओफ़! ये क्या हो गया! पता नहीं वह कंट्रोल सेंटर तक पहुंच भी पाया या नहीं! अब मुझे ही कुछ करना होगा!

पर मैं करूं क्या? सामने जाते ही इतनी लेजर रेज और गोलियां चलेंगी कि उनसे बचना नामुमकिन होगा!

ये क्या है? स्मोक डिटेक्टर! ये काम आएगा!

पर स्मोक कहां से आएगा?

यहां से आएगा!

कुछ ही पलों के बाद-

एक और एलार्म रोबो सिटी में गूंज रहा था-

फायर अलार्म! ये हो क्या रहा है?

हफ! हफ!

ओ गॉड! मैं तो भूल ही गया था कि आग को बुझाने के लिए अभी शॉवर भी चलेंगे!

पर मैं नहीं भूला था!

मुझे तो पानी से गीली जमीन ही चाहिए थी!

जिस पर तेजी से फिसलने का मजा आए!

अरे! वो चिप का डिब्बा ले गया!

पकड़ो इसे!

पकड़ें कैसे ? इस चिकनी जमीन पर खड़े रहना भी मुश्किल हो रहा है !

आऊ ऽऽऽ

ईयाऊऽऽऽ

तू यहां कैसे आ गया ? मेरे साथ मत रहना ! उधर से भाग जा !

मेरे लिए शूट एट साइट का ऑर्डर निकला है !

अब तक मेरे लिए भी निकल चुका होगा !

समझ गया!
ये इनडोर बारिश तूने ही करवाई है! और तेरे हाथों में चिप वाला केस है!
बिंगो!
यानी मम्मियां फिलहाल सुरक्षित हैं!
तो फिर आ! मिलकर कोई नया प्लान बनाते हैं!
कोई प्लान नहीं बनेगा बच्चों!
क्योंकि आराम करने का समय हो गया है!
ओ गॉड!
ये गॉड है?
नहीं! स्ट्रेंजर है! रोबो नाना के सबसे खतरनाक आदमियों में से एक!
पर इस वक्त मैं तुम्हारा दोस्त हूं! तुमको बचाना मेरा फर्ज है!
रोबो नाना का गुलाम हमको बचाने की बात कर रहा है!
मैं रोबो का गुलाम नहीं हूं! मेरे ब्रेन में जो चिप फिट है वो 'ब्लैंक' चिप है!
एक और झूठ!
हमारा रास्ता छोड़ दो! वर्ना जैसे मैं तुम्हारे बारे में जानता हूं वैसे तुम भी मेरे बारे में जानते होगे!
मेरे पास बच्चों को समझाने का न तो वक्त है और न ही एक्सपीरियेंस!
मेरे साथ चलना तो पड़ेगा ही! चाहे मर्जी से या मजबूरी से!
स्ट्रेंजर ध्रुव के वंश की रक्षा कर रहा था–

और ध्रुव अपने परिवार को भूलकर ब्रह्मांड की रक्षा का फर्ज पूरा कर रहा था -

ये हम कहां आ गए हैं, ध्रुव ?

शक्ल से तो यह जगह अलंध्या ही लगती है! इतनी बदसूरत और कोई जगह हो ही नहीं सकती!

यहां पर तो चारों तरफ रेत का सागर है! अलंध्या का तो कहीं निशान तक नजर नहीं आ रहा है!

हम हमला करेंगे भी तो किस पर करेंगे ?

आपका शक करना ठीक है, कमांडर!

सबसे पहले तो यह पक्का करना होगा कि ये आयाम अलंध्या ही है!

मेरे ख्याल से कुछ फाइटर प्लेन्स को खोजबीन के लिए आगे भेजा जाना चाहिए!

तुम्हारे जेट प्लेन ये काम तो जरूर कर लेंगे! बस कुछ दिनों का वक्त लगेगा! मत भूलो कि अलंध्या एक ऐसा क्षेत्र है जो एक पूरे विशाल ग्रह पर एक महानगर के समान है!

मैं पता लगाता हूं कि अलंध्या नगर किस दिशा में है!

मैं अलंध्या नगर की स्थिति का पता लगाता हूं! सेटेलाइट बनकर!

और मैं जो कुछ देखूंगा वह तुम मेरी छाती पर बनी इस स्क्रीन पर देख सकोगे!

एक मिनट ! एक मिनट ! तुम सेटेलाइट बनने के लिए अंतरिक्ष चले आओगे तो हम स्क्रीन पर दृश्य कैसे देखेंगे ?

सेटेलाइट बनने के लिए...

... सिर्फ मेरा सिर जाएगा !

धड़ यहीं पर रहेगा ! एक्सेस वेट लेकर जाने से क्या फायदा ?

कड़छछ

कमाल का रोबोट है ये !

हम विज्ञान में इतनी तरक्की कब करेंगे सर ?

देवाशीष ने इमेजिस भेजनी शुरू कर दी हैं ! अब हमको जल्दी ही अलंध्या की स्थिति और दिशा का पता चल जाएगा !
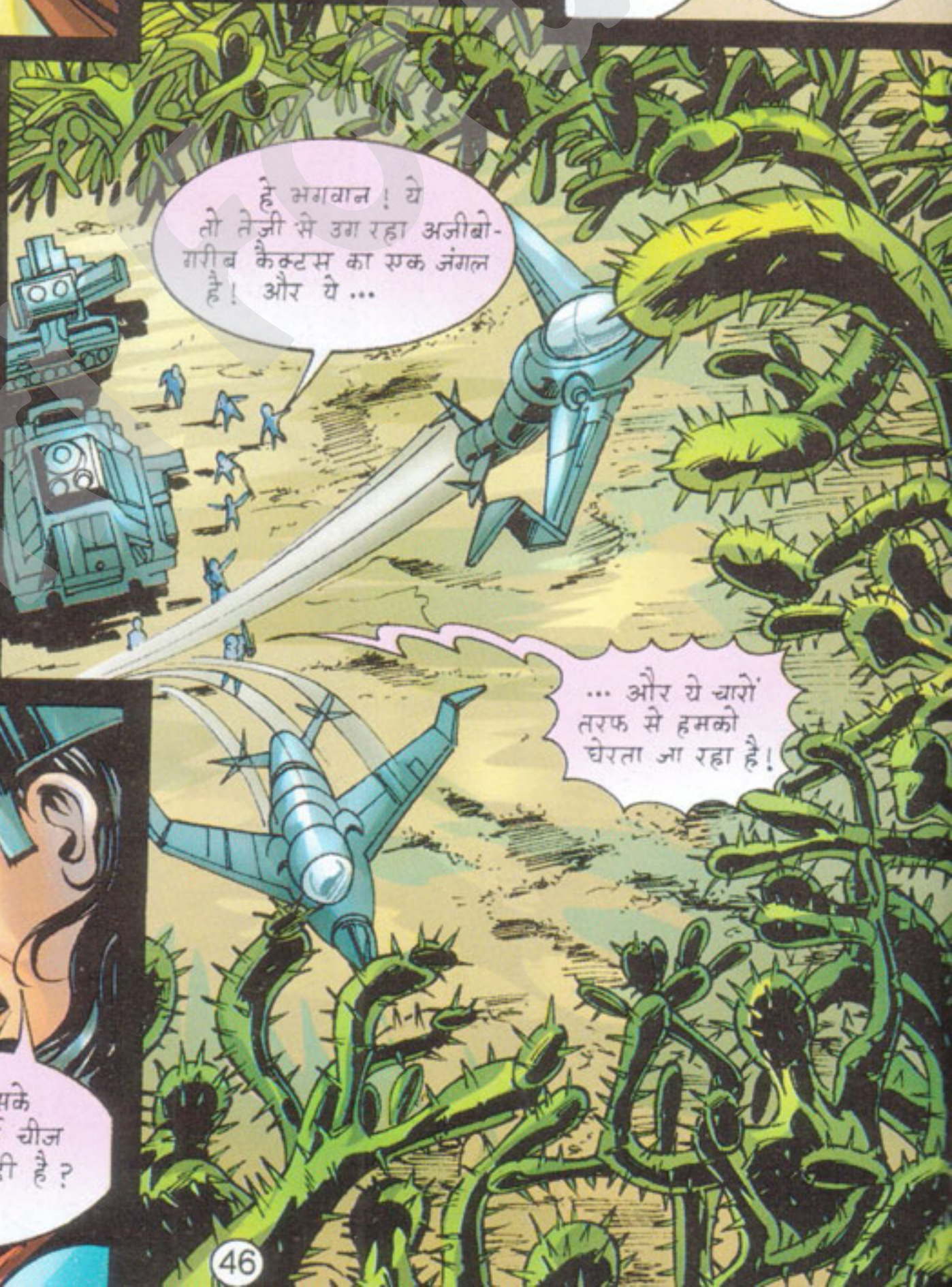
हे भगवान ! ये तो तेज़ी से उग रहा अजीबो-गरीब कैक्टस का एक जंगल है ! और ये ...

... और ये चारों तरफ से हमको घेरता आ रहा है !

एक मिनट ! ये तो वही एरिया है, जहां पर हम मौजूद हैं !

एकाएक इसके चारों तरफ ये नई चीज क्या नजर आ रही है ?

हा हा हा हा !

मानवों की जब मौत आती है तो वे अलंघ्या की तरफ भागते हैं! बेचारे मानव तो ये भी नहीं जानते कि ये कैक्टस का जंगल नहीं, बल्कि ब्लैक पॉवर कंकाल फनी है!

इसके चंगुल में जो आया उसका सिर्फ कंकाल ही बचता है! मांस को खाकर ही तो हमारी ब्लैक पॉवर्स जीवित रहती हैं!

मानवों का तो इंतजाम हो गया! इस कत्लेआम की बागडोर आपके हाथ में रहेगी गुरुदेव!

मानवों के खिलाफ ये युद्ध मैं लड़ना चाहता था पिताश्री! सुना है कि उस ध्रुव का दिमाग बहुत तेज है! आज तक बड़े से बड़ा दुश्मन भी उसके सामने नहीं टिक पाया!

मैं इस भ्रांति को चकनाचूर कर देना चाहता हूं!

अगर गुरुदेव असफल रहे तो ये मौका तुमको जरूर मिलेगा विषांक!

लेकिन नागराज को मारने का मौका तुमको कतई नहीं मिलेगा!

क्योंकि उसकी मौत की कहानी मैं खुद अंजाम तक पहुंचाने वाला हूं!

क्योंकि यह [illegible] आ चुकी है...

"... कि नागराज अलंध्या की जमीन पर अपने पैर रख चुका है-"

"अब यतियों को उसका जल्लाद बनाने का समय आ चुका है-"

हम अलंध्या के मुख्य आयाम द्वार पर उतरे हैं नागराज! क्रूरपाशा इसी रास्ते से अपनी ब्लैक शक्तियों को तुम्हारे आयाम में भेजता है! अब वह ऐसा नहीं कर पाएगा!

और बिलबिलाकर जल्दी ही अलंध्या से बाहर आ जाएगा!

खत्म कर दो

आऽऽऽऽ मेरा एक सुझाव है!

जब तक क्रूरपाशा हमला नहीं करता तब तक हमारे पास रणनीति बनाने का समय है! पर रणनीति तभी बन सकती है जब हम इस क्षेत्र से अच्छी तरह वाकिफ हों!

मेरा सुझाव यह है कि साकार-आकार, द्रोण और वनपुत्र अलग-अलग दिशाओं में जाकर इस क्षेत्र से परिचित हों और रणनीति बनाएं! हम यति ये युद्ध आप तीनों के नेतृत्व में ही लड़ेंगे!

अच्छा सुझाव है! हमको समय व्यर्थ नहीं करना चाहिए!

पर... पर... नागराज...

नागराज के साथ हम सभी हैं न स्वामी! आप तीनों जाएं!

तीनों में से कोई भी यह नहीं समझ पाया कि उनके साथ ही नागराज की जान भी आ रही है -

अब तुमको अपनी शक्ति जल्दी से जल्दी वापस लानी है नागराज !

सचमुच ? तो ये पहले क्यों नहीं दिया ?

इसीलिए तुम हमारे ये यतिबंध हाथ और पैरों में पहन लो ! ये दिव्यबंध हैं और इनको पहनने वाले की शक्ति कुछ ही पलों में वापस आ जाती है !

मुझे लगा कि नागराज की शक्ति अपने आप वापस आ जाएगी ! पर अब हम देर नहीं कर सकते !

इसीलिए अब आप भी अपना युद्ध कवच पहन लें, स्वामी !

न जाने कब हमला हो जाए ! आप तो जानते ही हैं कि इसको पहनने के बाद आप अजेय हो जाते हैं !

सिर्फ याददाश्त ही नहीं मेरे स्वामी...

हां, हां ! याद आ गया ! मेरी याद-दाश्त धीरे-धीरे वापस आ रही है न !

... इसको पहनने के बाद ...

... आपकी शक्ल भी ...

... वापस आ जाएगी !

नागू !

ये... ये तो एक सर्प है !

हां, ये एक नाग है!

ऐसे सीक्रेट तो आखिरी सीन में खुलते हैं!

यानी... तुमको... अ... आपको शुरू से पता था कि मैं जिंगालू नहीं हूं?

मणिधारी नाग! और इसी मणिशक्ति के कारण और यति शक्तियां क्षीण होने के कारण हम इसके असली रूप को भांप नहीं पाए!

नहीं! शुरू में तो मैं खुशी से इतनी पागल हो गई थी कि मैंने इस बात पर ध्यान ही नहीं दिया! पर जब तुमने अपने बच्चे का नाम पूछा तो मुझे तुम पर पहली बार शक हुआ! तुम अपने आपको नहीं भूले, मुझे नहीं भूले, फिर अपने जिगर के टुकड़े को कैसे भूल गए!

और फिर नागराज जैसे नागरक्षकों के प्रति तुम्हारी जरूरत से ज्यादा वफादारी भी शक को मजबूत कर रही थी! और सबसे बड़ी बात यह थी...

... कि मैं दिल से तुमको अपना पति स्वीकार ही नहीं कर पा रही थी!

ये सब क्या हो रहा है नागू? ऐसा तुमने क्यों किया?

मुझे और यतियों को धोखे में तुमने क्यों रखा?

क्योंकि उस वक्त मैं अगर ये नाटक नहीं करता तो ये तुमको मार डालते! और जब नाटक सफल हो गया था तो मैंने इसे जारी रखने का फैसला किया!

आज मुझे इस बात से शर्मिन्दगी हो रही है कि तुम मेरे शरीर में रहने वाले एक नाग हो!

ये शर्मिन्दगी तुम्हारी जिन्दगी के साथ ही खत्म हो जाएगी, नागराज!

वैसे हमारी तुमसे जाति दुश्मनी नहीं है! पर क्या करें, यतियों के युवराज को बचाने के लिए अगर ब्लैक पॉवर्स तुम्हारी बलि चाहती है तो बलि तो देनी ही पड़ेगी!

ऐसा है तो ऐसा ही सही! शायद यही मेरी सजा है!

खत्म कर दो इस अशक्त नागराज को यति योद्धाओ!

नहीं! मेरे रहते नागराज को एक सुई भी नहीं छू सकती! अगर गलती हुई है तो मैंने की है!

वैसे मैंने कोई गलती की भी नहीं है! सिर्फ वही किया है जो मैंने ब्रह्मांड की रक्षा करने के लिए सही समझा!

अब तुम सबको भी यही बातें समझनी होंगी! और ये बात तुम यतियों को समझाएगी मेरी मणि शक्ति!

हैं! मेरी मणि शक्ति मुझको ही बांध रही है! पर क्यों?

क्योंकि तूने जो मंत्रित कवच पहन रखा है वह किसी भी शक्ति को बाहर नहीं जाने देता!

अब पहले तू मरेगा और फिर नागराज! तूने महायति जिंगालू का रूप धरकर उनका अपमान किया है! और यही तेरी सजा है!

चीर डालो इस मणिधारी नाग को!

ठहरो!

मैंने तुमको अपनी जान लेने की इजाजत दी थी! किसी और की नहीं!

अगर ऐसा करोगे तो तुमको नागराज से एक बार फिर टकराना पड़ेगा!

कोशिश करो!

अह! मैं... न हाथ हिला पा रहा हूं और न पैर!

ये यतिबंधी का कमाल है! हमारे यतिलोक में जेलें नहीं होतीं! अपराधियों की यही यतिबंध पहनाकर छोड़ दिया जाता है!

अब देखो अपने स्वामिभक्त नाग की मौत का वीभत्स नजारा!

नहीं! रुक जाओ यति रानी!

यतियों की शक्ति से सिर्फ नागराज टकरा सकता है! और यहां पर कोई दूसरा नागराज तो है नहीं! आगे बढ़ो यति योद्धाओं!

देखा, महाकालछिद्र?

सही कहा यति रानी ने! नागराज को सिर्फ नागराज ही बचा सकता है!

पर दूसरा नागराज आएगा कहां से?

चतुर्थ अध्याय

एक और नागराज

य... ये क्या हो रहा है? हवा में से ये अजीबो-गरीब सांप कहां से निकल रहे हैं?

कोई आयाम द्वार को फाड़ रहा है!

असंभव!

इतनी शक्ति ब्रह्मांड के किसी भी प्राणी में नहीं है जो हाथों से आयाम-आवरण को फाड़ सके!

फिर कौन है ये प्राणी?

देव?

दानव?

नहीं! ये तो...

... नागराज है!
असंभव! नागराज जैसी शक्ति वाला तो पूरे ब्रह्मांड में कोई दूसरा नहीं है!
कोई भी हो!
पर ये हमको नागराज के खून को अलंद्या की धरती पर बहाने से नहीं रोक पाएगा!
फिर ये कौन है? नागू जैसा कोई बहुरूपिया!
नागराज का लहू अगर दिल में बहे तो वह करुणा है!
आंखों में उतर आया तो विनाश है! और अगर धरा पर बह गया तो प्रलय है!
नमूना देखोगे?
इसके रक्त में तो नागराज जैसे सर्प पैदा होते हैं!
पर कैसे?
ओफ्!
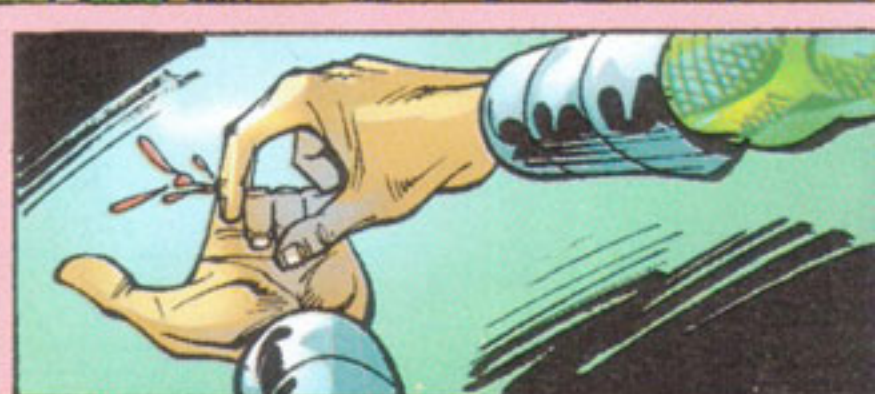
ये कोई भी हो! बहुरूपिया या नागराज का प्रतिरूप! ये हमसे जीत नहीं सकता! हजारों की संख्या वाली यतिशक्ति धारक सेना से तो खुद यमराज भी डरते हैं!
नागराज के साथ-साथ उसके प्राणों की बलि भी ले ही डालो!
मेरे प्राणों की बलि वही ले...
...जिसमें अपने प्राणों की आहुति देने की हिम्मत हो!
नागवृक्ष! ये कैसी अद्भुत शक्ति है इस बालक में?
और इसका विष नागराज़ से अलग भी है और घातक भी!
और अब तू संभाल रहा है!
पर तू है कौन? नागराज जैसी शक्तियां क्यों है तेरे पास?
वह इसलिए क्योंकि अब मेरे लहू के साथ सिर्फ देव कालजयी का विष ही नहीं...
बल्कि हलाहल भी दौड़ता है! सृष्टि का वह भयंकर विष जिसको सिर्फ महादेव ही संभाल पाए थे!

क्योंकि इन रगों में नागराज का ही खून दौड़ता है!

यानी तुम...

... मैं नागराज का बेटा हूं नागीश!

वैसे सब मुझे भी नागराज ही कहते हैं!

प्रणाम पिताश्री!

अगर मेरे प्राण रहते आपके प्राण पर आंच भी आए तो धिक्कार है! उस जीवन पर जो मुझे आपकी भेंट है!

जीते रहो, बालक! पर... पर तुम मेरे पुत्र कैसे हो सकते हो?

मेरी तो सिर्फ एक पत्नी है! विसर्पी! और अभी...

मेरी मां का नाम नागरानी है!

नागरानी! वही जो कई वर्ष पहले मेरे विष की तलाश में समानांतर पृथ्वी के आयाम से इस पृथ्वी पर आई थी?

और जिनके र्भ में वेदाचार्य ने पके बीज की स्थापित राया था! यानी मुझे!

तुम... सच में मेरे पुत्र ही! इतने बड़े हो गए हो! मैं... मैं...

पर तुम इस आयाम में आए कैसे? तुमको कैसे पता चला कि मैं मुसीबत में हो सकता हूं?

यह संयोग की बात है पिताश्री!

"कुछ वर्षों पहले तक तो सब-कुछ सामान्य था! पर अचानक एक दिन आकाश में एक रहस्यमय आयाम द्वार खुला, और उसमें से एक महा-तीव्र विष की धार हमारे आयाम में गिरी! और वातावरण में घुलने लगी–"

"वैसे तो विष हमारा जीवन है, पर यह विष कुछ ज्यादा ही तीव्र था! इसको तीव्रतम विष हलाहल के रूप में पहचाना गया! और इसने हमारे ग्रह के मौसम में अजीबो-गरीब बदलावों को पैदा करना शुरू कर दिया–

अपने ग्रह को बचाने का एक ही रास्ता बचा था! हमारे पास! शिवजी की तरह उस विष को धारण करने का!

और इस काम के लिए मुझे चुना गया! क्योंकि मुझमें पहले से ही देव कालजयी का विष संभालने की क्षमता थी!

हलाहल को मैंने निगल तो लिया, पर उसके प्रभाव से मैं दो वर्षों तक अपंगावस्था में रहा!

धीरे- धीरे मेरा शरीर हलाहल के अनुसार ढलता गया! और मुझमें आयाम द्वार को फाड़ सकने जैसी अद्‌भुत और नई शक्तियां पैदा होने लगीं! और तब मैंने यह जानने की ठानी कि ये हलाहल आया कहां से था? कहीं इसको हमारे किसी दुश्मन ने तो नहीं भेजा था!

यह खोज पहले मुझे आपकी पृथ्वी के हिमालयों पर ले गई! क्योंकि हलाहल वहीं से आया था! पर वहां पर कोई नहीं मिला!

हालांकि वहा पर मुझे यतियों और शीतनागों के निशान और आभास जरूर मिले!

और फिर उन आभासों और निशानों का पीछा करता- करता मैं यहां तक आ गया!

और ऐसा लगता है कि मैं एकदम सही समय पर आया हूं!

युद्ध जारी रखने की इच्छा हो तो हम तैयार हैं यतियों!

एक मिनट नागीश! पहले मैं ये जानना चाहता हूं कि यति जैसे शांतिप्रिय प्राणी, क्रूरपाशा का साथ आखिर क्यों दे रहे हैं?

हम मजबूर हैं नागराज! हमारे पास कोई और विकल्प नहीं है!

पर क्यों?

क्यों का जवाब मैं देता हूं नागराज!

यतियों के यतिलोक जाने और वहां से यतिशक्ति के आने का रास्ता क्रूरपाशा ने बंद कर दिया है!

उस यंत्र को इनसे छीन लिया है, जिसकी मदद से यति अपने लोक में आते- जाते रहते थे! और इस वक्त इनका युवराज यानी यतिरानी का पुत्र उसी आयाम में अपनी मौत से जूझ रहा है!

और क्रूरपाशा ने उसकी जान की कीमत मांगी है!

तुम्हारी जान!

हुम्म्!

मैं समझ गया! तुम लोग मेरे खिलाफ और क्रूरपाशा के साथ लड़ने के लिए स्वतंत्र हो!

हम लोग दुश्मनों की तरह ही लड़ेंगे!

पर इस युद्ध से पहले मैं एक शपथ लेता हूं...

इस युद्ध के समाप्त होने से पहले मैं यतियों के युवराज को सुरक्षित यतियों तक पहुंचा दूंगा! आप यतियों ने यहां तक जो मेरा साथ दिया ये उसके लिए मेरा एक छोटा सा उपहार होगा!

और अगर मैं ऐसा नहीं कर पाया तो मैं अपने सिर को काटने का पहला हक यतियों को ही दूंगा!

क्योंकि ये स्पष्ट है कि उस यति बालक की जान को खतरे में डालने का कारण मैं ही हूं!

ये नागराज की अखंड शपथ है!

कमाल है! अब तो ये तय करना और भी मुश्किल हो गया है कि नागराज को हम कट्टर दुश्मन मानें या सच्चा दोस्त!

तुमने पिता का रोल बड़ी खूबी से निभाया है नागू! अब तुम पिता का फर्ज भी निभाओगे!

पहले मुझे खोलो तो!

यतिलोक से युवराज को सही सलामत वापस लाने की जिम्मेदारी मैं तुमको सौंपता हूं!

नागू को? जिसको हमने बड़ी आसानी से कैद कर लिया है! यह काम अगर इतना आसान होता तो हम खुद यह काम कब का कर चुके होते!

यतिलोक के आयाम को खोलना और उसमें बिना आयामक की मदद से घुस पाना मौत को दावत देना है! यह काम करने की हिम्मत तो वे देव भी नहीं करेंगे जिन्होंने स्वयं आयाम को बनाया है!

जो काम करने में देव डरते हैं उसे हम करते हैं!

पिता नागराज का वचन मैं निभाऊंगा!

नहीं! मैं तुमको ऐसा खतरा मोल लेने नहीं दूंगा!

खतरों का सामना नहीं करेगा...

मैं लाऊंगा यति युवराज को! और अगर मौत ने मेरा रास्ता रोकने की कोशिश की...

... तो उसे भी पता चल जाएगा कि मौत आखिर क्या होती है!

... तो नागराज कैसे बनेगा!

नागरानी!

नागीश को जाने दो नागराज! ये तुमको निराश नहीं करेगा!

पर... पर ये अभी छोटा है! इसमें जोश है, पर अनुभव की कमी है!

ये नागराज नहीं, बल्कि एक पिता बोल रहा है! ये सोना तभी बनेगा जब आग में तपेगा!

तुम समझ नहीं रही हो, नागरानी...

समझना तुम नहीं चाह रहे हो, नागराज! हम हमेशा मानवता की रक्षा के लिए यहां पर नहीं रहेंगे! एक न एक दिन यह बीड़ा अगली पीढ़ी को उठाना ही है! फिर शुरुआत यहीं से क्यों नहीं?

तुम ठीक कह रही हो नागरानी! इनके कंधे मजबूत होने ही चाहिए!

ठीक है नागीश!

जाओ! पर याद रखना! ये युद्ध हम तभी जीतेंगे जब यति शक्ति हमारे साथ होगी! और यति शक्ति तभी हमारे साथ होगी जब लौटते वक्त यति युवराज तुम्हारे साथ होगा!

बस, मुझे इतना बता दीजिए कि यतिलोक का आयाम द्वार कहां पर मिलेगा?

वहीं, जहां पर तुम यतियों की खोज में गए थे!

मैं जल्दी लौटूंगा!

ये तुमने क्या किया? जानते-बूझते अपने बेटे को मौत के मुंह में भेज दिया?

ये नागराज का बेटा है! मौत के मुंह में नहीं घुसेगा तो उसके जबड़ों से तुम्हारे बेटे को छीनकर कैसे लाएगा?

काश, हमें नागों से इतनी घृणा न होती! काश, हम तुमसे दुश्मनी करने को मजबूर न होते!

पर अब तो हम सौदा कर चुके हैं! उसका मूल्य तो हमको चुकाना ही होगा!

युद्ध के लिए तैयार हो जाओ नागराज!

हम्मम्! नागराज का बेटा! और उसको भी भलाई के कीड़े ने काट रखा है! ये तो वापस आने से रहा!

पर यतिरानी की ललकार में दम नहीं दिख रहा है! इसके दिल में नागराज के लिए 'सॉफ्ट कॉर्नर' पैदा हो रहे हैं! ऐसे तो लड़ाई में मजा नहीं आएगा!

युद्ध को खेल की तरह नहीं...

... बल्कि खेल को भी युद्ध की तरह खेला जाना चाहिए!

और ये इस परम युद्ध में क्रूरपाश का पहला प्रहार है!

ये परमयुद्ध का आगाज है!

पंचम अध्याय
आगाज

"और एक नए ब्लैक यूनिवर्स की सृष्टि की शुरुआत-"

ये क्रूरपाश का वार है! उसने इनके अंदर ब्लैक पॉवर्स की सी क्रूरता भर दी है!

मैंने तुम्हारे उपकारों का ऋण चुका दिया है, यतियों! अब मुझसे किसी रहम की उम्मीद मत रखना!

और नागराज को अकेला भी मत समझना!

उसके साथ हम हैं!

और हममें से हर एक, एक पूरी सेना है!

और हर सेना में ब्रह्मांड को जीतने की क्षमता है!

क्रूरपाशा ने चाल तो अच्छी चली थी! जीतता कोई भी, पर नुकसान तो श्वेत शक्तियों का ही होना था-

पर वह फिर मानवों को कमजोर समझने की भूल कर गया था! वह यह भूल गया था-

कि परमयुद्ध का आगाज
तो मानवों और
के टकराव के साथ ही हो चुका था-

यह अजीबो-गरीब कैक्टस का जंगल तो बहुत तेजी से हमारी तरफ बढ़ता आ रहा है! और ये हमारे फाइटर प्लेन्स तक को पार जाने नहीं दे रहा है!

ओ गॉड! अब तो इस जंगल से कुछ टुकड़े टूट-कर अलग हो रहे हैं! और चलते-फिरते झाड़ बनकर हम पर हमला कर रहे हैं!

ऐसे तो कुछ ही मिनटों में हमारी पूरी आर्मी साफ हो जाएगी!

मेरे रहते नहीं!

ओऽऽम्!

तड़ितास्त्र!

कुछ ही पलों में ये दिव्यास्त्र इस जंगल को खांडव वन की तरह राख के ढेर में बदल देगा!

बहुत भयानक अस्त्र है ये!

इसके सामने ऐसा जंगल तो क्या, कोई पहाड़ तक नहीं टिक सकता है!

?

ये तो फिर से पैदा हो रहे हैं! और इस बार ये...

...ज्यादा तेजी से बढ़ रहे हैं!

गिरती बिजली से जले जंगल जब बढ़ते हैं तो ज़्यादा तेजी से बढ़ते हैं!

और ऐसे जंगलों को...

... काटना पड़ता है!

चक्रबल!

ओ गॉड!

दिव्यास्त्र भी इस पर बेअसर हैं!

और ये हमारे और पास आता जा रहा है!

नहीं, कमांडर! बस हम वार गलत जगह पर कर रहे हैं!

थर्मल डिटेक्टर लाओ! जल्दी!

ये लो!

अरे! थर्मल डिटेक्टर पर इस जंगल के बीचो बीच में एक 'हॉट-स्पॉट' दिख रहा है! क्या है ये?

इस ब्लैक पॉवर का शरीर! अभी तक हम जो नष्ट कर रहे थे वे इसके या तो बाल थे या नाखून!

ग्रेट! पर ये आइडिया तुमको सूझा कैसे?

जो कटते जाते हैं और बढ़ते जाते हैं!

मुझे 'ब्लैक-बिल्डर' याद आ गया! जो था कहीं और, और हम वार कर रहे थे कहीं और!

रियली! पर इस हॉट-स्पॉट' तक हम पहुंचेंगे कैसे?

हम नहीं पहुंच सकते!

पर मैं पहुंच सकता हूं!

बड़ी जल्दी है तुझे मरने की जो तू मौत के जबड़ों को पार करता हुआ मौत के गले तक आ गया!

अब देखना ये है कि पहले तू कटेगा या फिर तेरे मददगार!

या फिर तेरी गर्दन!... ये हुई पूरी बात!

ध्रुव पता नहीं बचा या मर गया, पर हमारा मरना निश्चित लगता है!

हम सोल्जर्स हैं साथियों! और सोल्जर्स मरने से पहले मरा नहीं करते!

मुकाबला करो!

दिखा दो इनको कि पॉवर काली हो या सफेद इंसान से ज्यादा ताकतवर नहीं होती!

क्योंकि अब इस कैक्टस के हमले को ज्यादा देर तक रोक पाना संभव नहीं है!

और ध्रुव वापस आएगा!

भरोसा रखो!

शूट!

ताकत से जज्बे की लड़ाई थी ये-

और ये उस तूफान की बाहरी सीमा थी-

जिसके केन्द्र में ध्रुव खड़ा था-

मैं जानता था कि तेरे पास ऐसे दिव्य शस्त्र हैं जो पलभर में मुझे मार सकते हैं!

पर इतनी छोटी सी जगह में उनका प्रयोग किया तो तू खुद भी मारा जाएगा!

यहां पर तू इस मामूली तलवार से ज्यादा कुछ भी नहीं चला सकता!

पर मेरे पास चलाने के लिए बहुत कुछ है!

आऽऽऽह!

ये अपना होमवर्क करके आया है!

इसके कैक्टस तंतु मेरी तलवार को इस तक पहुंचने नहीं दे रहे हैं!

पर ये अपने तंतुओं को आराम से मुझ तक पहुंचा रहा है!

आऽऽऽह!

इसने तो मुझे बुरी तरह से फंसा लिया है!

अब तो तलवार चलाने तक की जगह नहीं बची है!

हा हा हा! ये अलंघ्या है सुपर कमांडो ध्रुव! यहां पर तेरा दिमाग तेरे कोई काम नहीं आएगा! यहां पर तो ताकत का राज चलता है!

एक अदना सा मानव होकर तू ये सोचकर अलंघ्या चला आया कि तू ब्लैक पॉवर्स का विनाश कर देगा! इसकी सजा तो तुझे मिलेगी! और वह तुझे ब्लैक पॉवर्स के सम्राट क्रूरपाशा का अदना सेवक देगा!

तेरी गर्दन काटकर!

स्थिति भयावह थी। मौत सिर्फ ध्रुव के ही नहीं-

पूरी मानव सेना के एकदम करीब आ चुकी थी-

सर, ये तो बढ़ते ही आ रहे हैं! हम जितनी तेजी से इनको खत्म कर रहे हैं ये उससे दुगुनी तेजी से पैदा होते जा रहे हैं!

आने दो! मरना है तो लड़कर मरेंगे!

अपने देश के लिए तो हर सैनिक जान दांव पर लगाता है!

पर कितने सैनिकों को दुनिया की रक्षा करने का मौका मिलता है?

सिर्फ कुछ को-

और उनमें ब्रह्मांड रक्षकों का नाम सबसे ऊपर आता है-

और इन रक्षकों में सबसे पहले याद किए जाते हैं... नागराज-

और सुपर कमांडो ध्रुव-

मेरे हाथ इन कैक्टस शाखाओं के पार नहीं जा सकते!

और न ही इतने लंबे हैं कि इसकी गर्दन तक पहुंच सकें!

सही सोच रहा है तू! इस दिव्य तलवार को वापस अपने अंगवस्त्र में समा ले! वरना तेरी मौत के बाद ये मेरे हाथ में पड़ जाएगी!

मैं तलवार वापस रखने के लिए नहीं निकालता!

पुराने युद्ध के नियमों के अनुसार तलवार तभी म्यान में वापस रखी जाती थी...

...जब उसे दुश्मन के खून से...

...धो लिया जाए!

खटच

पर तेरा खून तो काला हो चुका है! तलवार और ज्यादा गंदी हो गई है!

कैक्टस का जंगल खत्म हो रहा है कमांडर!

यानी... यानी...

ध्रुव जीत गया! ये तो अविश्वसनीय है!

अविश्वसनीय तो बहुत छोटा शब्द है!

एक मानव ने बिना किसी पराशक्ति के प्रयोग के एक शक्तिशाली ब्लैक पॉवर को मार डाला है! इस घटना के लिए तो किसी नए शब्द का ईजाद करना पड़ेगा!

शायद वो शब्द क्रूरपाशा के मुंह से तब निकलेगा जब मैं उसे यह बात बताऊंगा!

सूचनाओं के आदान-प्रदान का दौर-

हर जगह जारी था-

क्या अब हमको रहस्य खोल नहीं देना चाहिए बाबा?

इस युद्ध से चिन्तित मत हो विसर्पी!

अब तो यतियों और नागराज में ही ठन गई है।

जैसे खेलों से पहले पूर्वाभ्यास किया जाता है वैसे ही ये युद्ध है! यतियों ने युगों से युद्ध नहीं लड़ा है!

उनको अभ्यास की सख्त जरूरत है!

वैसे भी अभी तक विषांक क्रूरपाशा के कब्जे में है!

इस वक्त अगर रहस्य खोल दिया तो वह मुश्किल में पड़ सकता है!

न जाने क्यों मुझे बार-बार ये आशंका हो रही है कि कहीं इस रहस्य को छुपाने से कोई बड़ा अहित न हो जाए!

ऐसा कुछ नहीं होगा, विसर्पी! भरोसा रखो!

"स्थितियां बहुत तेजी से बदलने वाली हैं-"

तुम्हारा क्या ख्याल है! क्या नागराज जिन्दा बच जाएगा?

ये अगर यतियों के बारे में पूछते तो जवाब देना ज्यादा आसान होता!

यति संख्या में ज्यादा जरूर हैं, पर नागराज के साथ भी शक्तिशाली साथी हैं!

ये ध्रुव और मानव सेना की तरह नहीं हैं जिनको जब चाहा मसल दिया!

क्रूरपाशा! सम्राट!

लो! अभी ध्रुव का जिक्र चल ही रहा था कि गुरुदेव उसके अंत की सूचना देने आ गए!

हमारी पहली जीत की खुशखबरी दें गुरुदेव!

ध्रुव ने कालफनी को मार दिया!

हा हा हा! ये हुई न बात! अब हम...

क्या कहा आपने?

ध्रुव ने कालफनी को मार डाला!

अ...

मैंने कहा था न पिताश्री कि ये काम इतना आसान नहीं है! वह मानव बड़े-बड़ों को मात दे चुका है!

अब मुझे आज्ञा दें उसका सिर लाने की!

जाओ पुत्र! जल्दी जाओ! कहीं कालछिद्र की बात सही सिद्ध ना हो जाए!

पर अकेले मत जाना! नाग सेना को लेकर जाना!

मैं हारूंगा नहीं! पर ये क्या है?

और अगर हार सामने दिखने लगे...

...तो इसका प्रयोग करना!

परमनाशक! इसका प्रयोग एक ही बार किया जा सकता है! इसको मैंने नागराज के लिए बचाकर रखा था! लेकिन अब लगता है...

...कि अगर अभी इसका प्रयोग न किया तो उसकी नौबत नहीं आएगी!

ये परमनाशक है? मुझे तो लगा कि ये दांत खोदने के काम में आता है!
इससे नागराज तो क्या, नागराज का एक सांप भी...
...नहीं मर सकता!
आऽऽऽह! इसको छोटा कैसे करूं?
बस इसकी बुराई करनी बंद कर दे!
“वर्ना नागराज को मारने के लिए कालछिद्र द्वारा दिया गया ये परमनाशक तुझे ही मार देगा! इसके अंदर अपना खुद का दिमाग है-”
“अरे नगीना, तू कहां पर है-?”
ये लो, नगीना! ये चिप उतनी शक्तिशाली तो नहीं है, पर मेरे पास यही बची हुई थी! बाकी चिप... अ... फिलहाल किसी और के पास है!
इसी से काम शुरू कर लेते हैं! चिप को इंसर्ट कर दो...
ये क्या गड़बड़ हो रही है! ये आए तो थे क्रूरपाशा के विनाश के लिए पर दस घंटों से आपस में ही लड़े जा रहे हैं! और नगीना भी न जाने कहां गायब है!
मुझे तो अपने प्लान का भट्ठा बैठता नजर आ रहा है!
अब तुम बस तैयारी करो!
ब्रह्मांड पर राज करने की!

कहां खोए हो, भीरूपाशा?

घबराओ मत! यति चाहे कितने भी शक्तिशाली हों, पर आखिरकार उनको नागराज के काबू में आना ही पड़ेगा!

जैसे तू अब मेरे काबू में आने वाला है!

मुझे सिर के अंदर कुछ अजीब सा लग रहा है! जैसे कोई चीज...

नगीना कहां चली गई थीं तुम? देखो, कितनी गड़बड़ हो गई है! हमारे मददगार आपस में ही लड़े-मरे जा रहे हैं! इनको रोकने का कोई उपाय सोचो!

...मेरे दिमाग में फैल रही हो! आ... आ...

बधाई हो रोबो! अब तुम ब्लैक रोबो बन गए हो!

आऽऽऽ

आऽऽऽह!

ये क्या है?

तुम्हारे अंदर भीरूपाशा को कंट्रोल करने की भी ताकत है!

और नई ब्लैक पॉवर्स को पैदा करने की भी!

अब ब्रह्मांड रक्षकों का अलंघ्य आयाम से आ पाना तो लगभग असंभव है!

इसीलिए पृथ्वी पर अब सिर्फ एक ही शक्ति तुमको चुनौती देने की क्षमता रखती है!

और वह है देव शक्ति!

इससे पहले कि उनको तुम्हें रोकने का मौका मिले...

... खत्म कर दो देव शक्ति के केन्द्र को!

" अरब सागर के तल में बनी उनकी पुराणों से भी प्राचीन नगरी को-"

"स्वर्ण नगरी को-"

ओफ़! ऐसा अशांत समुद्र तो मैंने पहले कभी नहीं देखा!

स्वर्ण नगरी के चारों तरफ विशाल भंवर पैदा हो रही है!

ये तो हमारी नगरी को तोड़ डालेगी! हमारे युगों-युगों पुराने लेख और तकनीक लुप्त हो जाएंगे!

और इसको रोकने के लिए न तो तेरे पिता धनंजय यहां पर हैं और न ही कोई और योद्धा! वे बाबा के पास गए हैं!

पिताजी न सही, पर उनका पुत्र जयं है मां। मैं बचाऊंगा अपनी सभ्यता को!

" ये मुझे बताने की जरूरत नहीं है नगीना! उस नगरी को ढूंढने वाला पहला शख्स मैं ही था-"

देवों की न तो सभ्यता नष्ट होगी और न ही उनका शक्तियों का केन्द्र!

जयं! शक्ति खंड की तरफ मत आओ! सबसे ज्यादा खतरा वहीं पर है!

सबसे बड़े खतरे के बीच में से ही सबसे सुरक्षित मार्ग भी होता है, मां!

ये ब्लैक पॉवर्स का हमला है! आज वे जान जाएंगे कि स्वर्ण नगरी का एक बच्चा उन पर भारी पड़ सकता है!

ब्लैक पॉवर्स का साम्राज्य सिमटने के बजाय और फैलता जा रहा था। और उसको रोक सकने वाले अभी तक आपस में ही जूझ रहे थे-

अब ये लड़ाई दूसरे दिन में प्रवेश कर चुकी थी-

आऽऽ ह!

क्या हुआ था मुझे? लगता है कि मैं काफी समय तक बेहोश रहा!

नहीं तो! देखो न! लड़ाई तो अभी भी चल रही है!

हां, हां! पर अभी भी मुझे अजीब सा क्यों लग रहा है?

भीरूपाशा का स्मृति लोप हो रहा था-

ओफ़! सही दिशा नहीं मिल रही है! मैं जाऊं तो कहां जाऊं?

और ऐसी ही स्थिति जिंगालू की भी थी-

हे देवताओं! कोई संकेत दो मुझे!

आह

ये!...ये आवाज। ये तो... ये तो...

...उस दिशा से आई है आवाज!

अब मैं और नहीं रुक सकता!

हे देवताओं!

मदद करना!

इस चीख की आवाज से जैसे पूरा ब्रह्मांड गूंज उठा था-

ये आवाज तो जानी-पहचानी थी!

ये आवाज! कहीं... कहीं ये आवाज...

...विषांक की तो नहीं...

नहीं! विषांक जिन्दा है! जीवित है मेरा पुत्र! यानी...

हां... पिताश्री! ध्रुव ने... तो लगभग... मुझे मार ही डाला था!

पर ऐन वक्त पर मैंने... परम नाशक का प्रयोग किया!

और... और... सुपर कमांडो ध्रुव को...

... मार डाला!

ये चीख... उसी की थी!

महागाथा जारी है इतिकाण्ड में!

प्यारे नागराज प्रेमियों!

जनून!

आज दिनांक 15 नवम्बर 2008 को यह ग्रीन पेज लिख रहा हूं। शीघ्र ही **'समर काण्ड'** आपके हाथों में होगी। आशा है नागायण सीरीज की सातवीं कॉमिक **'समर काण्ड'** आपको पसंद आई होगी। पूर्व कॉमिक **'रण काण्ड'** को सभी कॉमिक्स प्रेमियों ने पसंद किया और सराहा। इस सीरीज की अभूतपूर्व सफलता के लिए मैं अनुपम सिन्हा, जॉली सिन्हा के अभूतपूर्व योगदान के लिए बधाई देता हूं। इस कॉमिक्स सीरीज के निर्माण में जुड़े सभी आर्टिस्ट्स का मैं शुक्रगुजार हूं और धन्यवाद देता हूं सभी **राज कॉमिक्स** प्रशंसकों को जिन्होंने एक लम्बी अवधि के इंतजार के बावजूद भी **नागायण सीरीज** को सफल बनाया। **'समर काण्ड'** में नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव क्रूरपाशा की अलंध्या में पहुंच चुके हैं। महायुद्ध शुरु हो चुका है। लाख जीतें अपने नाम लिख चुके नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव के लिए यह युद्ध आसान नहीं है। क्रूरपाशा उर्फ नागपाशा के पास असीमित शक्तियां हैं। श्वेत शक्तियां अभी तो क्रूरपाशा से सीधे-सीधे टकराई भी नहीं है कि बुरी तरह घायल, मरणासन्न या मृत भी हो चुकी हैं और क्रूरपाशा का अभी बाल भी बांका नहीं हुआ है। **नागायण सीरीज** का अंतिम भाग **'इति काण्ड'** आप तक लाएगा कई सदियों का भीषणतम युद्ध। जिसमें विजयी होने के लिए देने पड़ेंगे कई बलिदान। हो सकता है कि यह महायुद्ध इन सभी सुपर हीरोज के प्राण हर ले और इस हत्याकाण्ड की शुरुआत हो चुकी है। **'इति काण्ड'** को एक सफल विशेषांक बनाने के लिए **राज कॉमिक्स** टीम जुटी हुई है। यह विशेषांक 128 पृष्ठों का हार्डबाउंड कॉमिक्स होगा। **'इति काण्ड'** के पश्चात् अपराध विनाशक नागराज की कौन सी नई सीरीज शुरु होगी इसका विवरण मैं आतंकहर्ता नागराज की कॉमिक्स **'नागराज अण्डर अरैस्ट'** के ग्रीन पेज में दूंगा। सुपर कमाण्डो ध्रुव की आगामी कॉमिक्स पर काम शुरु किया जा चुका है। इसका विवरण भी **'नागराज अण्डर अरैस्ट'** के ग्रीन पेज में दिया जाएगा। शीघ्र ही आप ध्रुव की रेगुलर कॉमिक्स का मजा ले पाएंगे।

अब बात करते हैं इस सैट में प्रकाशित हो रही अन्य कॉमिक्स और आगामी सैट के कॉमिक्स के बारे में। **'प्रेम हिरण', अमर प्रेम सीरीज** में निरंतर रोमांच बढ़ता जा रहा है। भेड़िया जिसे सुकन्या समझकर जेन को दुख पहुंचा रहा है वह पराक्षी एक पिशाचिनी है। आगामी कॉमिक **'अवधूत'** में जाग रहा है अवधूत। बुल्ला अवधूत का ही वाहन है और बुल्ला की मौत पर महान अवधूत बरसों की तपस्या से जागता है। वो अवधूत जिसकी ताकत और दरिंदगी से पूरा जंगल थर्रा गया था तब उसकी मां ने उसे जबरन तपस्या में लीन होने के लिए विवश कर दिया था। कोबी को बुल्ला की मौत का जिम्मेदार मान अवधूत कोबी के प्राण निकालने पर आतुर हो जाएगा और सच मानिए वो ऐसा कर भी सकता है।

'परमात्मा' इसी सैट में प्रकाशित हो चुका है और मुझे विश्वास है परमाणु प्रेमियों को पसंद आएगा। परमाणु की आगामी कॉमिक्स पर काम जारी है और वह कॉमिक **परमात्मा सीरीज** से भी अच्छी बनाने की तैयारी है। इसका विवरण आगामी ग्रीन पेजिस में दूंगा।

परीरक्षक भोकाल सीरीज की **'सिण्ड्रेला'** भी इसी सैट के साथ प्रकाशित की गई है। आशा है आपको पसंद आएगी। इस कॉमिक में एक नई परी सिण्ड्रेला को लाया गया है और लाया गया है एक नया विलेन नाईटिंगेल।

'आत्मा निवास' - **थ्रिल हॉरर सस्पेंस सीरीज** के प्रशंसकों को पसंद आया है और इसी सैट में प्रकाशित हो रहा है इसका आगामी भाग **'भूत किसमें'**। **'भूत किसमें'** पाठकों को अवश्य ही प्रभावित करेगा। **थ्रिल हॉरर सीरीज** का आगामी कॉमिक्स **'रक्त पिपासु'** एक बेहतरीन कॉमिक है जिसे पेपर कॉमिक के स्वरुप में प्रकाशित नहीं किया जाएगा। यह कॉमिक **राज कॉमिक्स वेबसाइट www.rajcomics.com** पर पाठक **इ कॉमिक्स फॉरमेट** में खरीद सकेंगे। **इ कॉमिक्स** श्रृंखला में ही प्रकाशित होंगी **योद्धा सीरीज** की कॉमिक **'आरम्भ'** और **महाबली भोकाल सीरीज** की कॉमिक **'प्रथम भोकाल'**। यह सभी कॉमिक्स पेपर पर नहीं छापी जा रही हैं। इन्हें आप **राज कॉमिक्स वेबसाइट** पर स्टोर में जाकर **इ कॉमिक्स** में ही खरीद सकेंगे। इन कॉमिक्स का प्रकाशन नए सैट के साथ ही होगा। शीघ्र ही **राज कॉमिक्स वेबसाइट** पर **थ्रिल हॉरर सस्पेंस सीरीज** की नई कॉमिक्स **'डायन मां'** भी लगाई जाएगी जिसे आप फ्री पढ़ सकेंगे।

अपने पत्र हमें आप इस पते पर भेजें : **ग्रीन पेज नं. 280, राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84**

Forum पर अपनी पोस्ट आप **www.rajcomics.com** पर करें।

जनून!

धन्यवाद

आपका—संजय गुप्ता